दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः6 | ग्वालियर, शनिवार 21, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

आप ने अरविंद केजरीवाल के लिए मांगा सरकारी बंगला, इस नियम का दिया हवाला

नई दिल्लीः आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के निवर्तमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए शुक्रवार को सरकारी आवास की मांग की और कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी का संयोजक होने के नाते वह इसके हकदार हैं। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी इस संबंध में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखेगी और उम्मीद है कि मंत्रालय एक या दो दिन में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक को आवास उपलब्ध करा देगा। पार्टी ने पहले कहा था कि केजरीवाल 15 दिनों के भीतर आधिकारिक आवास छोड़ देंगे। केजरीवाल ने इस सप्ताह की शुरुआत में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।चड्ढा ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्रीय पार्टी दो संसाधनों की हकदार है- एक है दिल्ली से काम करने के लिए एक कार्यालय और अपने प्रमुख के लिए आवास। उन्होंने कहा कि 2022 में गुजरात विधानसभा चुनावों के बाद आप एक राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। दो साल के संघर्ष और अदालत के हस्तक्षेप के बाद केंद्र ने आप को एक कार्यालय मुहैया कराया। पार्टी ने पिछले महीने आईटीओ के पास दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित पुराने कार्यालय को खाली कर दिया था और मंडी हाउस में रविशंकर शुक्ला लेन स्थित नए कार्यालय से कामकाज शुरू किया।चड्ढा ने कहा, '' मैं केंद्र से आग्रह करता हूं कि वह बिना किसी देरी और राजनीतिक विमर्श के पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सरकारी आवास उपलब्ध कराए जो उनका और आम आदमी पार्टी का अधिकार है।उन्होंने कहा कि आप के राष्ट्रीय सचिव, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को एक पत्र लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केजरीवाल को बिना किसी 'राजनीति से प्रेरित निर्णय के आवास उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इसके लिए कानूनी लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। पार्टी नेता ने कहा, ''उनके पास कोई संपत्ति या अपना घर भी नहीं है। एक राष्ट्रीय पार्टी के संयोजक के रूप में वह सरकारी आवास के हकदार हैं। केंद्र को उन्हें यह देना चाहिए।

वक्त आ गया है कि सनातन धर्म रक्षा बोर्ड बनाया जाए..तिरुपति लड्डू में चर्बी विवाद पर भड़के पवन कल्याण

अमरावतीः आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शुक्रवार को कहा कि वह तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी पाए जाने की बात से 'बहुत व्यथित हैं और उनका सुझाव है कि मंदिरों से संबंधित मुद्दों पर विचार करने के लिए एक 'सनातनराष्ट्रीय बोर्ड गठित किया जाए। उनकी इस टिप्पणी से दो दिन पहले मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डुओं को बनाने में घटिया सामग्री एवं पशु चर्बी का उपयोग किया। कल्याण ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी (मछली का तेल, सूअर की चर्बी और बीफ चर्बी) मिलाए जाने की बात से हम सभी बहुत व्यथित हैं। वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा गठित टीटीडी बोर्ड को कई सवालों के जवाब देने होंगे।जनसेना पार्टी के प्रमुख (कल्याण) ने कहा कि देश में मंदिरों से संबंधित मुद्दों पर गौर करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षण बोर्ड गठित करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय स्तर पर सभी नीति निर्माताओं, धार्मिक प्रमुखों, न्यायपालिका, नागरिकों और संबंधित क्षेत्रों के अन्य लोगों के बीच चर्चा हो। अभिनेता से नेता बने कल्याण ने कहा कि राज्य सरकार मिलावटी लड्डुओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कटिबद्ध है और यह मामला मंदिरों, उनकी जमीन और अन्य पारंपरिक अनुष्ठानों को कथित रूप से अपवित्र करने से जुड़े मुद्दों को सामने लाता है। कल्याण ने सभी से 'सनातन धर्म (हिंदुत्व)को किसी भी रूप में अपवित्र करने पर पूर्ण विराम लगाने के लिए साथ आने की अपील की।लड्डू में जानवर की चर्बी इस्तेमाल करने का आरोपआंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को एनडीए विधायक दल की बैठक में दावा किया था कि पिछली ङ्घ यानी जगन रेड्डी की सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और उन्होंने तिरुमला लड्डू के निर्माण में भी घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया। वहीं, का कहना है कि जगन मोहन रेड्डी और पिछली सरकार पर हमला करने के लिए नायडू यह घिनौना आरोप लगाया है।

लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने की मिली मंजूरी, CBI ने अदालत को बताया

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि उसने कथित 'नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने को लेकर संबंधित अधिकारियों से अपेक्षित मंजूरी प्राप्त कर ली है।सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत को बताया कि मामले में करीब 30 अन्य आरोपी हैं, जिनके लिए अभियोजन की मंजूरी का इंतजार है और उसने अदालत से अनुरोध किया कि अपेक्षित दस्तावेज हासिल करने के लिए उसे 15 दिन का और समय दिया जाए। अदालत ने सीबीआई को अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को तय की।अधिकारियों के अनुसार, यह मामला मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। ये नियुक्तियां लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहने के दौरान की गई थी। इन नियुक्तियों के बदले में अभ्यर्थियों द्वारा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख के परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन उपहार में दी गई या हस्तांतरित की गई। एजेंसी ने 18 मई, 2022 को प्रसाद और उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात लोक सेवकों और कुछ अन्य व्यक्तियों सहित 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

40 अभ्यर्थियों का मेडिकल करवाकर थमाए फर्जी ज्वाइनिंग लेटर, खुद को भारतीय सेना में हवलदार बताकर की ठगी

उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मेरठ के सदर बाजार से भारतीय सेना का हवलदार बताकर अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर सेना में भर्ती कराने के नाम पर धोखाध?ी करने वाले गिरोह के शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि खुद को आर्मी में हवलदार बता कर बदायूं निवासी अरविन्द राणा सेना में युवकों को भर्ती कराने के नाम पर सीधे साधे युवकों को ठगने का काम करता था।मिली जानकारी के मुताबिक, राणा गुरुवार देर शाम किसी काम से एमएच अस्पताल मेरठ कैन्ट पर आया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने अपना जाल फैलाया और अस्पताल से करीब 200 मीटर पहले ठग को धर दबोचा। गिरफ्तार ठग के कब्जे से सेना का एक फर्जी आई कार्ड , दो आधार कार्ड,पेन कार्ड,वोटर आईडी कार्ड,भारतीय सेना के अनुमोदन सेना के लेटर की छायाप्रति और फर्जी भारतीय सेना के ज्वानिंग लेटर की छायाप्रति समेत अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए।गिरफ्तार बदमाश हाईस्कूल पास है तथा मर्चेंट नेवी में सफाई कर्मी के पद पर था

चलती कार में नाबालिग दलित लड़की के साथ गैंगरेप, सड़क किनारे फेंक फरार हुए आरोपी

उत्तर प्रदेश के मथुरा के छाता कस्बे में तीन युवकों ने गुरुवार को पड़ोस की नाबालिग दलित किशोरी से कथित तौर पर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसे सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैलखनऊः उत्तर प्रदेश के मथुरा के छाता कस्बे में तीन युवकों ने गुरुवार को पड़ोस की नाबालिग दलित किशोरी से कथित तौर पर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसे सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) त्रिगुण बिसेन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर के अनुसार बृहस्पतिवार को छाता कस्बे में एक नाबालिग दलित किशोरी नाश्ते का सामान लेने अपने पड़ोस की ही एक दुकान पर गई थी, जहां नीरज नाम के युवक ने उसे पीने के लिए पानी की बोतल दी।तहरीर के मुताबिक, किशोरी पानी पीते ही अचेत हो गई और नीरज, उसका दोस्त शैलेंद्र और उसका एक अन्य दोस्त किशोरी को कार (मारुति ईको) में बिठाकर अपने साथ ले गए। इसमें कहा गया है कि तीनों ने चलती कार में अचेत किशोरी से दुष्कर्म किया और फिर बरसाना रोड के फ्लाईओवर के नीचे कार से उसे फेंक दिया। होश आने पर किशोरी अपने घर पहुंची और माता-पिता को आप बीती सुनाई।बिसेन बे बताया कि इस मामले में शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई प्रारंभ की गई है। किशोरी को चिकित्सकीय जांच के लिए जिला महिला अस्पताल भेजा गया है। इसके बाद दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत किशोरी का बयान दर्ज किया जाएगा। तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

एम पी से सामने आया अनोखा मामला, मां के पेट में बच्चा, बच्चे के पेट में बच्चा, डॉक्टर भी हैरान

मध्य प्रदेश के सागर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जब डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि उस बच्चे के अंदर भी एक नवजात पल रहा है।भोपालः मध्य प्रदेश के सागर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जब डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि उस बच्चे के अंदर भी एक नवजात पल रहा है। हालांकि, इसकी जानकारी डॉक्टरों को पहले ही हो गई थी। जब उन्होंने गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड किया था। मेडिकल की भाषा में इस कंडीशन को फीटस इन फीटू कहा जाता है।रेयर मामला होने की वजह से नवजात को जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती किया गया है। शिशु का जीवन बचाने का एकमात्र उपाय सर्जरी है। जिस पर चिकित्सकों में विचार विमर्श चल रहा है।

डॉक्टर के अनुसार लाखों महिलाओं में से किसी एक में ऐसा केस देखने को मिलता है।बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के रेडियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक डॉ. पीपी सिंह ने बताया कि करीब 15 दिन पहले केसली निवासी गर्भवती महिला 9वें माह में उनके निजी क्लिनिक पर जांच के लिए आई थी। जांच के दौरान महिला के गर्भ में पल रहे नवजात के अंदर भी एक बच्चा की मौजूदगी का संदेह हुआ था। इस पर महिला को फॉलोअप के लिए मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए बुलाया गया। यहां विशेष जांच में पाया गया कि महिला के गर्भ के अंदर एक और बेबी या टेरिटोमा की मौजूदगी है। महिला को मेडिकल कॉलेज में ही प्रसव कराने की सलाह दी गई थी। चूंकि उसे आशा कार्यकर्ता लेकर आई थी, इसलिए वह वापस केसली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गईं। यहां महिला का सामान्य प्रसव हुआ।5 लाख मामलों में इस तरह का 1 केस सामने आता हैडॉ. पीपी सिंह के अनुसार उन्होंने अपने जीवन में यह पहला केस देखा है। चिकित्सा इतिहास में इस तरह के केस काफी दुर्लभ हैं। 5 लाख मामलों में इस तरह का 1 केस सामने आता है। हालांकि अब तक दुनिया में इस तरह के 200 केस ही रिपोर्ट हुए हैं, जो लिटरेचर में ऑनलाइन अवेलेबल हैं। यह प्रेग्नेंट लेडी हमारे पास आठवें नौवें महीने में आई थी।बच्चे के अल्ट्रासाउंड करने के बाद हमने पाया कि बच्चे के अंदर पेट में गांठ दिख रही थी। जिसमें कैल्शियम जमा हुआ लग रहा था लेकिन जब हमने उसमें डॉपलर करके देखा तो खून आने लगा था। जब ऐसा होता है तो संभावनाओं में सबसे पहले फिटस और फीटू करके कंडीशन होती है।

जमानत पर बाहर आया रेप का आरोपी, पीड़िता की गोली मारकर की हत्या

दुष्कर्म का आरोपी और जमानत पर जेल से बाहर आए एक व्यक्ति ने दुष्कर्म पीड़िता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर इस मामले की जांच शुरू की हैलखनऊः दुष्कर्म का आरोपी और जमानत पर जेल से बाहर आए एक व्यक्ति ने दुष्कर्म पीड़िता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर इस मामले की जांच शुरू की है। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने कहा, ÷कैला देवी थाना क्षेत्र में 18 सितंबर की रात एक नाबालिग लड़की की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी जिसमें दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।÷ उन्होंने बताया कि इस घटना में एक आरोपी रिंकू (20) मृतक के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी हैदुष्कर्म का मामला गाजियाबाद के एक पुलिस थाना में फरवरी में दर्ज किया गया था और आरोपी इस महीने की शुरुआत में जमानत पर जेल से बाहर आया था। पीड़िता के परिवार द्वारा पुलिस से की गई शिकायत के मुताबिक, नाबालिग लड़की जब अपने भाई और मां के साथ मोटरसाइकिल पर घर वापस आ रही थी, तभी उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिवार का आरोप है कि रिंकू और उसके साथी ने उन्हें रास्ते में रोका और गोली चला दी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ÷हम गोली चलाने की घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। उस इलाके का सीसीटीवी फुटेज भी जुटाया जा रहा है।÷

दिवाली पर सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी बढ़ी हुई सैलरी!

भारत में बढ़ती महंगाई और केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में बढ़ोतरी की मांग को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने कुछ अच्छी खबरें देने की तैयारी कर ली है। हाल ही में वित्त मंत्रालय के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दिवाली के समय सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी की घोषणा की जा सकती है। यह बढ़ोतरी कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में की जाएगी, जो कई सालों से बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।केंद्र सरकार के 50 लाख से ज्यादा कर्मचारियों ने लंबे समय से यह मांग उठाई है कि उनकी बेसिक सैलरी कम से कम 26,000 रुपये होनी चाहिए। पिछले बजट सत्र में भी यह मुद्दा उठाया गया था

BJP के सदस्यता अभियान ने हासिल की नई उपलब्धि, मात्र 18 दिनों में 4 करोड़ का आकंड़ा किया पार

भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान 2024 ने शुक्रवार को एक नया मील का पत्थर हासिल किया, क्योंकि महज 18 दिनों में चार करोड़ सदस्यों ने खुद को पार्टी सदस्य के रूप में नामांकित किया है। भाजपा ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, ÷4 करोड़ सदस्य और गिनती जारी है। एक और उपलब्धि हासिल हुई।÷ और स्वयंसेवकों तथा उत्साही लोगों से 88 00 00 2024 पर मिस्ड कॉल देकर इस क्रांति का हिस्सा बनने का आग्रह किया।भी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को बताया कि सदस्यता अभियान किस तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और किस प्रकार यह नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। तावड़े ने एक्स पर कहा, ÷भाजपा का सदस्यता अभियान लगातार इतिहास रच रहा है, मात्र 18 दिनों में 4 करोड़ सदस्यों का आंकड़ा पार कर लिया गया। अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे भाजपा सदस्यता अभियान 2024 को देशवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, जिसका प्रमाण ये 4 करोड़ सदस्य हैं।÷पीएम के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर बढ़ रहा उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है और हर नागरिक भाजपा का सदस्य बनकर इसमें अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने लोगों से सदस्यता अभियान में अधिकाधिक भागीदारी करने का आग्रह किया, इसके लिए वे 88 00 00 2024 पर मिस्ड कॉल दें या नमो ऐप के माध्यम से भाजपा के सदस्य बनें।

यूपी ने 1 करोड़ का आंकड़ा पार किया- राष्ट्रीय महासचिव -भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने बताया कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश जैसे राज्य संख्या के मामले में अच्छे परिणाम दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने बताया, ÷भाजपा का सदस्यता अभियान 4 करोड़ के आंकड़े को छू गया है। यूपी ने 1 करोड़ का आंकड़ा पार किया है, एमपी ने 50 लाख का आंकड़ा पार किया है। गुजरात पहले ही 50 लाख का आंकड़ा पार कर चुका है। असम 35 लाख का आंकड़ा पार करने की ओर अग्रसर है। सदस्यता अभियान के पहले चरण में उत्साहजनक रुझान। लाखों कार्यकर्ताओं को सलाम।÷ पार्टी का विशाल संगठनात्मक अभ्यास संगठन पर्व, सदस्यता अभियान - 2024 2 सितंबर को शुरू हुआ। सदस्यता अभियान का पहला चरण 25 सितंबर तक जारी रहेगा।

स्वच्छता ही सेवा है

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

आज नगर परिषद मौ जिला भिण्ड (म. प्र.) द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वछता ही सेवा - 2024 (17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024) गतिविधि 20 सितंबर आयोजित की गई जिसमें वार्डों में आवासीय संघों, स्व सहायता समूह व प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मोहल्ला सभाओं का आयोजन किया गया जिसमे स्रोत प्रथककीकरण व संवहनीय स्वछता को लक्षित कर साझा किया गया स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया तथा उन्हें स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

जौरी अहीर गांव में बारिश के कारण लोगों के गिरे घर,ग्रामीणजन खुले आसमान के नीचे रहने को हुए मजबूर

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

सरपंच ने दबंगई दिखाते हुए पीड़ितों की एक न सुनी और मकान के बगल से ही खुदवा दिया तालाब

भिण्ड । अटेर तहसील के ग्राम पंचायत सकराया के सरपंच के द्वारा चांद मोहम्मद पुत्र सुलेमान के मकान के बगल से तालाब निर्माण कराए जाने के कारण चांद मोहम्मद और अन्य मकान धसक कर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, पीड़ित परिवार के लोगों को खुले आसमान के निचे रहने को मजबूर होना पड़ रहा है ।पीड़ित लोग गांव जौरी अहीर ग्राम पंचायत सकराया तहसील अटेर के निवासी है। पीड़ित परिवार के लोग कच्चे मकानो में ग्राम जौरी अहीर गांव में बर्षो से बसे हुए है। पीड़ित चांद मोहम्मद के मकान के बगल से ही ग्राम पंचायत

सकराया के सरपंच निबोरी प्रजापति से काफी मना करने के बावजूद भी सरपंच द्वारा तालाब का निर्माण करा दिया गया। पीड़ित चांद मोहम्मद व अन्य लोगों ने तालाब निर्माण कार्य रूकवाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड को कई बार आवेदन दिये लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। तालाब का पानी मकान की बुनियाद में जाने तथा दिनांक 11 व 12 सितम्बर 2024 को निरन्तर दो दिनों तक हुई अतिवर्षा के कारण चांद मोहम्मद एवं अन्य लोगों के मकान धसक कर बैठ जाने से घर गृहस्थी का सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया है और पीड़ितों के पूरे परिवार के सदस्यों को खुले में जीवन यापन करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

पीड़ितों को शासन – प्रशासन से अभी तक कोई मदद नहीं मिलने के कारण पीड़ित परिवार के लोगों को भूखे मरने की नोबत हो गई है।पीड़ित लोगों ने भिंड कलेक्टर से गुहार लगाते हुए निवास के लिए व्यवस्था एवं मुआवजा दिलाने तथा पीड़ितों द्वारा पूर्व में दिये गये आवेदनों पर संबधित के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग की है ।

अंबाह के जागरूक किसान घायल गोवंश के इलाज के लिए कर रहे पशु हेल्पलाइन 1962 का उपयोग*

जितेन्द्र त्यागी जिला ब्यूरो मुरैना
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

अंबाह, किसानों को अन्नदाता कहा जाता है और पशुधन भी किसान का अभिन्न हिस्सा है। जहां एक ओर किसान आवारा पशुओं से अपनी फसल को होने वाले नुकसान को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर उनका पशुओं के प्रति गहरा स्नेह भी झलकता है। इसका जीता-जागता उदाहरण भूमियां रोड, त्यागी मोहल्ला निवासी एडवोकेट केशव त्यागी ने पेश किया।हाल ही में, एक गोवंश जिसका एक पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका था और उसमें कीड़े पड़ रहे थे, को देखकर एडवोकेट केशव त्यागी ने तुरंत सरकारी पशु हेल्पलाइन 1962 पर संपर्क किया। कुछ ही समय में 3-4 सदस्यीय दल, जिसमें एक डॉक्टर भी शामिल थे, मौके पर पहुंचा और घायल गोवंश का तत्काल इलाज शुरू किया। सरकारी पशु हेल्पलाइन 1962 एक सराहनीय पहल है, जिसके तहत पशुओं को मुफ्त और तत्काल उपचार दिया जाता है, जिसमें दवाओं का प्रबंध भी शामिल है। मोहल्ला निवासी गण श्री रामप्रकाश त्यागी, श्री रामनिवास त्यागी, श्री दिनेश त्यागी और उपेंद्र त्यागी आदि ने गोवंश के इलाज में तत्परता दिखाई और सरकार के इस प्रयास की प्रशंसा की।पशु प्रेम और जागरूकता की यह मिसाल किसानों के बीच सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का भी प्रमाण है, जिससे आमजन और पशुधन दोनों को लाभ मिल रहा है।

स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर बनाई रिपोर्ट,क्वालिटी चेकिंग के लिए दिल्ली से आई टीम,रिपोर्ट के आधार पर दिया जाएगा स्कोर,

दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर ब्लॉक स्तर पर संचालित हो रहे स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं किस क्वालिटी की मिल रही हैं, इसकी जांच के लिए गुरुवार को दिल्ली से दो सदस्यीय डॉक्टर की टीम ने केंद्र का दौरा किया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आई सर्वे टीम ने केंद्र में मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, मेडिकल ट्रीटमेंट का मूल्यांकन किया। टीम में शामिल महिला डॉक्टर द्वारा सर्वे के आधार पर पीएचसी को स्कोर दिए जाएंगे, जिसके आधार पर भी रिपोर्ट कार्ड में नंबर मिलेंगे। कुशवाह, डीपीएम राजेश शर्मा, जिला क्वालिटी नोडल अधिकारी डॉ. देवेश शर्मा भी मौजूद रहे।बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जिला और प्रदेश स्तर से स्कोरिंग में चयनित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का सर्वे कराया जाता है। गुरुवार को केंद्र द्वारा गठित दो सदस्यीय टीम में शामिल डॉ आनंदी बिष्ट दिल्ली और डॉ स्वाति अहलावत मेरठ से भिंड के मालनपुर पीएचसी पहुंची। यहां उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के 6 डिपार्टमेंट ओपीडी, पैथोलॉजी, लेबर रूम, आईपीयू, नेशनल हेल्थ प्रोग्राम और सामान्य प्रशासन यूनिट का निरीक्षण किया। इस सर्वे के दौरान डॉक्टर की टीम ने यहां भर्ती होने वाले मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं और इलाज के संबंध में जानकारी ली। जिसके आधार पर स्कोरिंग शीट में नंबर दर्ज किए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आलोक शर्मा, बीएमओ गोहद डॉ वीरेंद्र सिंह, डॉ इंद्रजीत पाठक सहित पीएचसी मालनपुर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर मोहनीश तोमर, राहुल सोनी एवं स्टाफ मौजूद रहा।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने शिविर में बिताई रात और भोर होते ही पहुँचे अति वर्षा से प्रभावित बस्तियों में जल भराव से प्रभावित बस्तियों की व्यवस्थायें युद्ध स्तर पर दुरुस्त करने के दिए निर्देश

जोर देकर कहा कि पानी, बिजली, सड़क व सीवर व्यवस्थायें सुधारने का काम तेजी से हो

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर/ उप नगर ग्वालियर की विभिन्न बस्तियों में अति वर्षा के कारण निर्मित हुई जलभराव की स्थिति अब नियंत्रण में है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सभी बस्तियों से जल निकासी व जन सुविधाओं की बहाली पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं। उन्होंने बुधवार की रात नौमेहला के राहत शिविर में स्थानीय निवासियों के साथ गुजारी। इसके बाद गुरुवार को सुबह होते ही विभिन्न बस्तियों में पहुँचकर बिजली, पानी, सड़क, सफाई और सीवर व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही नगर निगम के अधिकारियों को बुनियादी सुविधाओं को पुख्ता करने और विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को सभी बस्तियों की विद्युत आपूर्ति को तेजी से सुचारू करने के निर्देश दिए। नौमहला स्थित राहत शिविर में आश्रय लेने आए निचली बस्तियों के निवासियों के साथ रात गुजारने के बाद गुरुवार की सुबह ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी शिविरार्थियों को अपने हाथों से चाय-नाश्ता कराया। साथ ही शिविरार्थियों से संवाद कर उन्हें भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि बारिश थमने के बाद आम जनजीवन सामान्य हो रहा है और प्रशासन आवश्यक राहत कार्यों में निरंतर जुटा हुआ है। श्री तोमर ने गुरुवार सुबह ग्वालियर उप नगर के आरपी कॉलोनी, दुर्गा पुरी व अशोक बिहार से भ्रमण की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने दुर्गा पुरी में सुरक्षा की दृष्टि से बिजली की हाईटेंशन लाइन में कवर्ड कन्डेक्टर लगाने के निर्देश कार्यपालन यंत्री श्री श्रीनिवास यादव को दिए। साथ ही अशोक बिहार के पार्क का सौन्दर्यीकरण कराकर सुन्दर एवं आकर्षक बनाने की बात कही। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड 7 में स्थित शर्मा फार्म हाउस क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान सड़क की ऊबड़-खाबड़ दशा देखकर नाराजगी जताई और अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिंह सिकरवार तथा कार्यपालन यंत्री श्री सुशील कटारे को जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्रीय निवासियों को भरोसा दिलाया कि बारिश के बाद शर्मा फार्म हाउस से खडगेश्वर तक नवीन सड़क का निर्माण कराया जाएगा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कचरा भी साफ किया-ऊर्जा मंत्री ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत डीआरपी लाइन बहोड़ापुर में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेकर सड़क से कचरा साफ किया। इसके बाद पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ सामूहिक भोजन किया । ऊर्जा मंत्री ने वार्ड 3 स्थित तोता चौक घोसी पुरा, विवेक बिहार, न्यू विवेक बिहार, घोसीपुरा व रहमत नगर में सड़क, बिजली, पानी और सीवर व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अतिवर्षा से प्रभावित बस्तियों की व्यवस्थाओं में युद्ध स्तर पर सुधार सुनिश्चित करें। जो अधिकारी व कर्मचारी इसमें ढिलाई बरतेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

बद्रीनाथ धाम पर भिण्ड के कथावाचक श्रीमद्भागवत कथा का कराएंगे रसपान

उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले की मेहगांव तहसील में दंदरौआ धाम के महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज के शिष्य आचार्य अंकित शास्त्री जी द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 25 सितंबर से उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में किया जा रहा है,उक्त आयोजन 1 अक्टूबर तक किया जायेगा।भिण्ड के भक्तों द्वारा देवभूमि कहे जाने वाले तीर्थ स्थल पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करवाया जा रहा है,जिसमें कथा का वाचन कथावाचक श्री आचार्य अंकित शास्त्री मेहदौली वाले के मुखारबिन्दु से की जायेगी।कथा का आयोजन भिण्ड जिले के पास कोक सिंह का पुरा निवासी रामबिहारी भारद्वाज द्वारा करवाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कथा से हमें कुछ उपयोगी बातों का ज्ञान प्राप्त होता है जैसे हमेशा अपने माता -पिता की आज्ञा का पालन करें, क्योंकि ईश्वर का वास उन्हीं में होता है।व्यक्ति के जीवन के सबसे पहले परमात्मा वही है।तथा संतों के द्वारा सत्संग किया जा रहा हो उसे अच्छे से सुनें,सत्संग के माध्यम से ईश्वर को पाया जा सकता है,गौ सेवा सभी को करना चाहिए क्योंकि 33 कोटि देवी देवता वास करते है, इसलिए गाय की सेवा करने मात्र से इस धरा के सभी देवी देवताओं की पूजा हो जाती है।

ग्रामबासियो की शिकायत पर परैछा पटवारी हेमंत शर्मा को हटाया गया,आदेश जारी

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-दबोह मंडल के अंतर्गत आने बाले ग्राम परैछा के पटवारी हेमंत शर्मा को गाँव बालो की एक शिकायत पर हल्का परैछा से हटा कर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय लहार पदस्थ कर किया गया है,भू-अभिलेख अधीक्षक भिण्ड के द्वारा आदेश जारी।यहाँ बता दे दबोह भाजपा मंडल के कार्यकर्ता शुक्रवार को ग्राम परैछा में सदस्य बनाने के लिए गए हुए थे उन कार्यकर्ताओं से समस्त ग्रामबासियो ने उक्त पटवारी के द्वारा पैसे मांगने की सारी बात बताई गई।जिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने तत्काल सारी जानकारी लहार विधायक गुड्डू शर्मा को फोन पर दे दी।विधायक ने कोई देर लगाए बिना कलेक्टर से बात की ओर पटवारी की हरकतों से अवगत कराया जिसपर एक घण्टे के अंदर हल्का परैछा से पटवारी हेमंत शर्मा को हटा दिया गया।

कांग्रेस द्वारा किसानों की फसलों का उचित मूल्य दिलाने एवं जन समस्याओं के निदान हेतु किसान न्याय यात्रा व ट्रैक्टर रैली निकाली गई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आतंकवादी कहने वाले भाजपा नेताओं पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाए - डॉ. गोविंद सिंह

भाजपा किसान विरोधी पार्टी है, किसानों की फसल का उचित मूल्य दिया जाए - पूर्व मंत्री लाखन सिंह

किसानों के साथ भाजपा सरकार दुर्व्यवहार कर रही है - उपनेता हेमंत कटारे

किसानों एवं अन्य जन समस्याओं के निदान के लिए कांग्रेस पार्टी संघर्ष करती रहेगी - मानसिंह कुशवाह

भिण्ड । पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला मुख्यालय के दबोहा मो? ग्वालियर रो? से इंदिरा गांधी चौराहा इटावा चुंगी तक एक विशाल ट्रैक्टर रैली निकाली जिसमें ट्रेक्टरों के अलावा हजारों की संख्या में पैदल एवं मोटरसाइकिलो से कार्यकर्ताओं ने रैली में भाग लिया,जिसमें पूर्व मंत्रीगण,विधायकगण एवं प्रदेश के कई बड़े नेतागण भी सम्मिलित हुए।

रैली को मुख्य रूप से किसान यात्रा प्रभारी पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह,विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे,पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी,गोहद विधायक केशव देसाई,कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा,शहर अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा,मेहगांव विधानसभा प्रत्याशी राहुल सिंह भदौरिया आदि ने संबोधित किया।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भली भाति अवगत है,कि प्रदेश में सभी क्षेत्रों में दयनीय स्थिति है और त्राहि- त्राहि मची हुई है,जो ज्वलंत समस्या वर्तमान में है,उनमें किसानो की समस्या सबसे महत्वपूर्ण है,कि भारी वर्षा,खाद बीज की कमी से किसानों की फसले खासतौर पर सोयाबीन, उड़द,धान एवं अन्य दलहन खराब हो गयी है और किसान इस समय भारी आर्थिक परेशानी से जूझ रहे है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बेजेपी सरकार द्वारा उनकी फसलों को 10 वर्ष पुराने भाव से खरीदा जा रहा है तथा किसानों को बिजली के भारी भरकम बिल दिये गए है,बिलो को जमा न करने पर उनके बिजली के मीटर काटने से लेकर उनकी मोटर पम्प तक जप्त करने की कार्यवाही की जा रही है,जो कि गलत है क्योंकि वर्तमान स्थिति में किसान आर्थिक परेशानी से जूझ रहा है।कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रति केन्द्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू एवं उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह द्वारा उन्हे आतंकवादी कह कर अपमानित किया गया है,जबकि पूरा देश जानता है,कि राहुल गांधी के पिता स्व. राजीव गांधी का बलिदान एवं उनकी दादी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की शहादत इस देश की सेवा करते हुए हुई है तथा उन्हीं का खून राहुल गांधी की रगों में दौड़ रहा है। भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी के प्रति अपमानजनक शब्दो का प्रयोग करने से देश के लाखो - लाख कांग्रेसजन आहत एवं दुखी है।

जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से राज्यपाल के नाम भिंड कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया, ज्ञापन पत्र भिंड एसडीएम ने लिया। ज्ञापन द्वारा किसानों की फसलो का उचित मूल्य दिलाने एवं केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही कराये जाने की मांग की है।

राज्यपाल के नाम सौपे गए ज्ञापन द्वारा किसानों की समस्याओं के निदान कराने के लिए मुख्य मागे मांगी गई है।जिनमें मुख्य मांगे में किसानों की सोयाबीन का 6000 हजार रुपये प्रति क्विंटल खरीदना,किसानों की सोयाबीन की फसल पर 40 प्रतिशत की जगह 100 प्रतिशत खरीदी कराना,किसानों को गेहूँ का समर्थन मूल्य 2700 सौ रूपये प्रति क्विंटल तथा धान का 3100 सौ रुपये प्रति क्विंटल खरीदवाया जाने की मांग की है। उक्त ज्ञापन द्वारा केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रति अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हे आतंकवादी कहने को लेकर दोनो भाजपा नेताओं के विरूद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज करवाना एवं भिण्ड जिले में आई बाढ़ आपदा के कारण किसानों की बाजरा व तिलहन की फसल पूरी तरीके से चौपट हो गई है तथा कई मजरे व गांव डूब में आने के कारण मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए है,जिसकी एक निगरानी कमेटी बनाकर जिलेभर में बाढ आपदा से पीड़ित लोगों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाने,एवं किसानों की सरसों की खरीदारी भी 7000 हजार रूपए प्रति क्विंटल कराने की मांग की गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार ने उनकी मांगों को नहीं माना तो आगे इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे।

किसान न्याय यात्रा में पूर्व प्रदेश महामंत्री भगवान दास सैंथिया, वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश पुरोहित,जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद,उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह यादव,जिला मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी,प्रवक्ता डॉ अनिल भारद्वाज,पूर्व प्रदेश सचिव रामशेष बघेल,सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह भदौरिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष अरविंद बघेल, सेवादल यंग ब्रिगेड पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया पिंकी,नगर अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी,जिला महामंत्री राजीव कौशिक,जिला महामंत्री चैतन्य शर्मा एडवोकेट,पूर्व प्रदेश सचिव रामहरि शर्मा,वरिष्ठ नेता रामहर्ष सिंह कुशवाह,भागीरथ कुशवाहा,महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा भदौरिया,गोहद ब्लॉक अध्यक्ष आशीष गुर्जर,यूथ जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह गुर्जर,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अंकित तोमर,पूर्व महिला सेवादल अध्यक्ष श्रीमती रीना चौहान,अहिबरन बघेल,सेवादल यंग ब्रिगेड अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह,महामंत्री विनोद पंडित, बलराम जाटव,महेश जाटव,मनोज जैन मामा,बलराम कुशवाह,दीपू दुबे,गगन सिंह राजावत, सोनू बिघोलिया,पिंकी उच्चाडिया,भूरे पचौरी,आकाश शर्मा,जनपद सदस्य संजय जाटव,देवेंद्र कुशवाह, रामबरन सिंह कुशवाहा,डीके वर्मा,संजीव करैया,गोपाल दुबे सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

कलम पर वार- पत्रकारों की हत्याओं से गूंज उठा प्रदेश, सुरक्षा कानून की उठी मांग

जितेन्द्र त्यागी जिला ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

विगत दिन जिला राजगढ में पत्रकार सलमान की हत्या ने एक बार फिर से पत्रकारों पर हुए हमलों की वीभत्स यादें ताजा की है जो पत्रकारों को चिंता में डाल रही है,मध्यप्रदेश में विभिन्न जगह पत्रकार समूहों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन प्रेषित किए हैं।मध्यप्रदेश में पत्रकारों पर हुए हमले लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। इन हमलों ने राज्य में प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यहां कुछ प्रमुख घटनाएं हैं जिनसे सरकार और प्रशासन को सबक लेने की आवश्यकता है हैं,

1. **संदीप शर्मा, 2018

संदीप शर्मा, जो रेत माफिया के खिलाफ रिपोर्टिंग कर रहे थे, की 26 मार्च 2018 को भिंड में एक ट्रक से कुचलकर हत्या कर दी गई। वह अवैध रेत खनन और पुलिस-प्रशासन के भ्रष्टाचार को

उजागर कर रहे थे। यह घटना साफ़ तौर पर माफिया द्वारा पत्रकारों पर किए जाने वाले हमलों को दर्शाती है।

2. **नरेंद्र तिवारी, 2022

नरेंद्र तिवारी, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता, को सितंबर 2022 में कटनी जिले में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वे भ्रष्टाचार और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ रिपोर्टिंग कर रहे थे, जिसकी वजह से उन पर हमला हुआ।

3. *चन्द्रशेखर शर्मा, 2021*

कटनी जिले के पत्रकार चंद्रशेखर शर्मा पर जून 2021 में हमला हुआ था। वे नशे के अवैध कारोबार पर रिपोर्टिंग कर रहे थे, जिसके चलते उन पर जानलेवा हमला किया गया। इस घटना से साफ होता है कि कैसे अवैध कारोबारों में लिप्त लोग पत्रकारों को चुप कराने की कोशिश करते हैं।

4.पत्रकार सलमान 18 सितंबर 2024
अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

प्रेस की आजादी पर असर-मध्यप्रदेश में ऐसे हमलों के चलते पत्रकारों में भय का माहौल बना हुआ है। कई पत्रकार अब संवेदनशील मामलों पर रिपोर्टिंग करने से कतराते हैं, जिससे राज्य में

मृतक पत्रकार सलमान

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव पड़ा है।

अन्य घटनाएं और धमकियाँ-कई पत्रकारों को रिपोर्टिंग के दौरान धमकियाँ मिली हैं, विशेषकर राजनीतिक और माफिया से जुड़े मामलों में। कई बार उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है या फिर फर्जी मुकदमों में फंसाया गया है।मध्यप्रदेश में पत्रकारों पर हो रहे हमले लोकतंत्र और स्वतंत्र मीडिया के लिए बड़ा खतरा हैं। इन हमलों को रोकने और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।तमाम मीडिया संगठनों एवं पत्रकार समूहों ने ,मध्यप्रदेश में विभिन्न जगह राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा,और सरकार को इस विषय में जरूरी कदम एवं सख्त कदम उठाने के लिए आग्रह किया,पत्रकारों पर इस तरह के हमलों के विरोध में आगे क्या मंशा है इस लिए पत्रकार संघों की मीटिंग शुरू हो चुकी हैं।देश में पत्रकारों पर हुए प्रमुख हमले जिन्होंने कलम रोकने का प्रयास किया लेकिन कलम फिर भी नहीं रुकी।

1. शुजात बुखारी की हत्या (2018)*= श्रीनगर के वरिष्ठ पत्रकार और राइजिंग कश्मीर के संपादक शुजात बुखारी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। उनकी हत्या ने कश्मीर में पत्रकारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए।

2.गौरी लंकेश (2017)*= बेंगलुरु में वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता गौरी लंकेश की हत्या ने देशभर में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर बहस छेड़ दी। लंकेश अपने विचारों के लिए जानी जाती थीं और कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ मुखर थीं।

3.कश्मीर के पत्रकार*= कश्मीर में काम करने वाले पत्रकारों को विशेष रूप से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सशस्त्र समूह, सुरक्षा बल और राजनीतिक दबाव के चलते कई पत्रकारों को धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, और यहां तक कि मारा गया।

4.छत्तीसगढ़ में पत्रकारों पर हमले*= छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कई पत्रकारों पर हमले किए गए हैं। नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच फंसे पत्रकार अक्सर दोनों ओर से दबाव में रहते हैं।

अपनी बात
संपादकीय

भटकी हुई प्राथमिकताएं

भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख कायम रखने की है। ऐसी कई समस्याएं बढ़ती गई हैं, जिनकी वजह से भारतीय चुनावों पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रिय योजना 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसका अर्थ यह है कि अब सरकार इस योजना को लागू करने की दिशा में काम करेगी। यह कैसे होगा, इसका मोटा खाका रामनाथ कोविंद कमेटी ने बनाया था। उसके मुताबिक लोकसभा चुनाव वाले वर्ष में सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी कराए जाएंगे। कोविंद कमेटी ने जब अपनी रिपोर्ट पेश की थी, तब भी इससे ज्यादा स्पष्टता नहीं बनी थी, ना कैबिनेट के हरी झंडी देने के बाद अब इसका पूरा ब्लू प्रिंट उभरा है। इसलिए कहा जाएगा कि अभी तक यह योजना महज एक इरादा ही है। सत्ता पक्ष चाहता, तो महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करवा कर इस योजना को अधिक विश्वसनीय बना सकती था। लेकिन बाकी बातें तो दूर, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी नहीं कर जा सके। वैसे भी भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख बहाल करने की है।

पहला मुद्दा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सुनिश्चित करने का था, जिसमें होनी वाली नियुक्ति प्रक्रिया को पिछले वर्ष सरकार ने मनमाने ढंग से बदल दिया। आम चुनाव के दौरान आयोग का रुख लगातार सवालों के घेरे में रहा। आयोग ने मतदान प्रतिशत बताने में जैसी देर की और बाद में गिरे वोटों की संख्या में जितनी वृद्धि बताई गई, उससे साख का संकट खड़ा हुआ है। चुनाव परिणाम को लेकर जैसे प्रश्न इस बारे उठे, वैसा भारत के चुनावी इतिहास में कभी नहीं हुआ था। इसके अलावा धन का कसता जा रहा शिकंजा चुनावों के प्रातिनिधिक दायरे को लगातार सिकोड़ रहा है। अब इसी पृष्ठभूमि में वन नेशन, वन इलेक्शन योजना सरकार ले आई है। स्वाभाविक है कि सहज गले लगाने के बजाय जनमत का एक बड़ा हिस्सा इसे विरोध भाव के साथ देखेगा। जन विश्वसनीयता और सहमति किसी लोकतंत्र के संचालन की पूर्व शर्त होती हैं। मगर वर्तमान सरकार ऐसे तकाजों की परवाह नहीं करती। फिर उसने वही नजरिया दिखाया है।

ये नैरेटिव भी दिखावटी?

पर्यावरणविदों के मुताबिक 2001 में भारत ने वनों के वर्गीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया था। पर्यावरणवादी संगठन नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई वन वृद्धि मुख्य रूप से 'वन' की परिभाषा बदलने के कारण हासिल हुई है।

नेशलन ग्रीन ट्रब्यूनल (एनजीटी) जांच कर रहा है कि क्या सरकारी दावों के विपरीत भारत में प्राकृतिक जंगल तेजी से घट रहे हैं। सरकार ने यह कहानी दुनिया भर में फैलाई है कि पिछले दो दशकों में भारत के हरित क्षेत्र में भारी वृद्धि हुई है। एनजीटी में मई में दर्ज एक मामले में कहा गया कि सरकार का ये दावा गलत है। मुकदमे में कहा गया है कि पिछले 24 साल में भारत ने 23,000 वर्ग किलोमीटर पेड़ों का आवरण खो दिया है। इस आंकड़े का स्रोत ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच गया है, जो एक स्वतंत्र संगठन है और उपग्रह से ली गई तस्वीरों से विश्व भर के जंगलों समय में आंकड़े प्रकाशित करता है। हाल की तस्वीरों से पता चला कि 2013 से 2023 के बीच भारत में 95 फीसदी पेड़ों का नुकसान प्राकृतिक जंगलों में हुआ है। जबकि सरकारी आंकड़ों में दिखाया गया है कि 1999 से भारत का वन क्षेत्र बढ़ा है। सरकार की पिछली रिपोर्ट के अनुसार 2019 से 2021 के बीच वन और वृक्ष आवरण में 2,261 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई।

सरकारी आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले पर्यावरणविदों का कहना है कि आंकड़ों में यह अंतर्विरोध इसलिए है, क्योंकि 2001 में भारत ने वनों के वर्गीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया था। पर्यावरणवादी संगठन नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई वृद्धि मुख्य रूप से 'वन' की परिभाषा बदलने के कारण है। नई परिभाषा में वनों के बाहर के हरे क्षेत्रों को भी शामिल कर लिया गया है। इस मामले में भारत की साख दांव पर है। भारत ने 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य घोषित करते हुए अपने वनों के आकार में बड़ी वृद्धि का वादा किया है। अगर एनजीटी में पर्यावरणवादी अपने केस को पुष्ट करने में सफल हो जाते हैं, तो भारत के इस दावे पर गंभीर सवाल उठ खड़े होंगे कि 2070 का लक्ष्य पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की कुछ ऐसी कहानियां पहले भी तथ्यों की रोशनी में संदिग्ध हो चुकी हैं। क्या इस मामले में भी ऐसा ही होगा?

■ संदीप जोशी

आतिशी और आधी आबादी

आतिशी के मुख्यमंत्री बनने से राजधानी में सत्ता व्यवहार की नई बयार चलने की आशा जरुर जगी है। दिल्ली में इससे पहले डेढ़ दशक तक चली शीला दीक्षित की सरकार की याद भी दिलाई जा रही है। जब दिल्ली की जनता को जननीति का संघर्ष व व्यवहार गिरावट देखने को नहीं मिली थी।आतिशी देश-विदेश में पढ़ी-लिखी, सहज व सेवाभावी जनसेवक मानी जाती हैं।

आज समाज में जिस भीड़तंत्र से लड़ना चाहते हैं उस लड़ाई के लिए हमें अपनी आधी आबादी के योगदान की ओर लौटना होगा। आधी आबादी यानी अपनी महिलाएं। पुरुष के विकास की बुलेट ट्रेन रफ्तार में स्त्री की स्वाभाविक सहनशीलता को ही ज्यादा विकसित माना जा सकता है। लगातार हिंसक होते समाज को उसकी आधी आबादी ही अहिंसक विश्वगुरु बना सकती है।

देश की राजधानी दिल्ली में केन्द्र-राज्य का राजनीतिक संघर्ष लंबा हो चला था। एक दशक से भी ज्यादा से चले आ रहे दिल्ली के सत्ता-संघर्ष में अब सौम्य, शालीन और सहनशील आतिशी तीसरी महिला, और दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री बन गयी हैं।

आम आदमी पार्टी पर केन्द्र सरकार द्वारा थोपी गई राजनीतिक उठापटक के कारण ही सही, मगर राजधानी के साधारण, शिक्षित वर्ग में आतिशी के मुख्यमंत्री बनने के प्रति जो उत्साह जगा है वह समाज के प्रति अच्छा संदेश है। पद छोड़ने को अरविंद केजरीवाल की ईमानदार कोशिश माने या सफलता के लिए सत्ता योजना, वह तो समय आने पर दिल्ली की जनता ही बताएगी।

लेकिन आतिशी के मुख्यमंत्री बनने से राजधानी में सत्ता व्यवहार की नई बयार चलने की आशा जरुर जगी है। दिल्ली में इससे पहले डेढ़ दशक तक चली शीला दीक्षित की सरकार की याद भी दिलाई जा रही है। जब दिल्ली की जनता को जननीति का संघर्ष व व्यवहार गिरावट देखने को नहीं मिली थी।

आतिशी देश-विदेश में पढ़ी-लिखी, सहज व सेवाभावी जनसेवक मानी जाती हैं। उनके माता-पिता दोनों शिक्षक रहे। अंतरजातीय प्रेम विवाह किया। और बेटी

को उच्च शिक्षा दिलाने के पक्षधर रहे। दोनों मार्क्स व लेनिन से प्रभावित थे इसलिए बेटी आतिशी को उपनाम मार्लिना दे दिया। शिक्षा का असर और सेवासत्ता से समाज बदलने की उम्र में ही, अन्य युवाओं की तरह आतिशी का सत्ताभाव भी जागा।

अण्णा आंदोलन से प्रेरित हो कर वे आम आदमी पार्टी की सदस्य बनीं। अहिंसक आंदोलन से समाज बदलने का रास्ता सूझा। चुनाव लड़े। हार-जीत भी हुई। लेकिन सहज, सरल सेवाभावी स्वभाव ने उन्हें दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य दे दिया।

नारायण देसाई ने "मेरे गांधी" संस्मरण में लिखा है कि महात्मा गांधी ने तमाम सामाजिक, राजनीतिक प्रयोग स्त्रियों के नैसर्गिक स्वभाव के इर्द-गिर्द गढ़े व खड़े किए थे। स्त्रियों को अहिंसक संघर्ष में जोड़ने की गांधी की रणनीति इसी विश्वास पर खड़ी हुई थी। उनकी यह रणनीति भारत में जागरूकता की लहर पैदा करने में अपूर्व कारक सिद्ध हुई। भारत की स्त्रियों की मुक्ति का गांधी का तरीका उन्हें आजादी की लड़ाई में पुरुषों के बराबर भागीदार बनाने का था। गांधी का मानना था कि देश की गरिमा बहाल करने की प्रक्रिया में शामिल होने से स्वाभाविक ही स्त्रियों की अपनी गरिमा भी बहाल होगी।

गांधी जी अहिंसक शक्ति के उदाहरण के तौर पर स्त्रियों से खास उम्मीद रखते थे। इसलिए उनने कहा था, "आत्मोत्सर्ग के साहस के लिए हमेशा स्त्रियां पुरुषों से श्रेष्ठ रही है। जैसा कि मैं मानता हूं, हृदयहीन साहस के लिए पुरुष हमेशा स्त्री से आगे रहा है। मेरी पक्की राय है कि पुरुषों के मुकाबले स्त्रियां अहिंसा की ज्यादा बेहतर सिपाही हो सकती हैं।"

आश्रम जीवन की एक जिम्मेदारी ऐसी थी, जिसे स्वीकार करने में सब हिचकते थे। आश्रम के भंडारगृह के छोटे-छोटे ढेर सारे हिसाब रखने और तरह तरह के मिज़ाज वाले लोगों से वास्ता पड़ता था। गांधी जी के ध्यान में जब यह बात लाई गई तो उनको उपाय सूझा। "अगर यह बात है तो क्यों न सारी जिम्मेदारी महिलाओं को दे दी जाए। मुझे पक्का भरोसा है कि यह काम जो पुरुष के संभाले नहीं संभल रहा है, उसे वे अच्छी तरह संभाल लेंगी।" फिर दांडी यात्रा के बाद स्त्रियों पर गांधी जी ने अहिंसक असहयोग का बढ़ा उत्तरदायित्व डाला जो उनने बखूबी निभाया।

आज कमला हैरिस भी अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रही हैं। सबसे शक्तिशाली देश की प्रमुख अगर एक महिला बनती है तो दुनिया किस रास्ते पर चलेगी देखना कोरा आशावाद नहीं रहने वाला। दुनिया में चल रहे युद्धों पर अमेरिका का रुख भी साफ होगा। नफरत के माहौल में हिंसा के बजाए अहिंसा को तवज्जो देने का जिम्मा आधी आबादी पर आएगा तो सत्ता का अहंकार भी मिटेगा।

राजधानी का मुख्यमंत्री होना आतिशी की अग्नि परीक्षा होगी। क्योंकि आधी आबादी से ही आशा जगेगी कि हिंसक भीड़तंत्र की लड़ाई अहिंसक भाईचारे से लड़ी जाए। नफरत के घाव भरें। सौहार्द का माहौल बने। और विवेक से विकास हो।

■ रजनीश कपूर

आवारा पशु की बढ़ती समस्या

दुनिया भर में केवल नीदरलैंड ही एक ऐसा देश है जहां पर आपको आवारा कुत्ते नहीं मिलेंगे। यहाँ की सरकार द्वारा चलाए गये एक विशेष कार्यक्रम के तहत वहाँ के हर कुत्ते को सरकार द्वारा इकट्ठा कर उसकी जनसंख्या नियंत्रण करने वाले टीके लगाए जाते हैं। रेबीज़ जैसी बीमारियों से बचाव का टीकाकरण किया जाता है। नीदरलैंड सरकार ने एक अनूठा नियम लागू किया।

बीते सप्ताह एक दुर्घटना का पता चला जो कि दिल्ली से सटे गुरुग्राम की थी। गुरुग्राम में जिस तरह प्रॉपर्टी के दाम आसमान छू रहे हैं उससे यह बात तो तय है कि अधिक से अधिक लोग इस उपनगर का रुख़ कर रहे हैं। परंतु यदि वहाँ का प्रशासन नागरिकों को अहम सुविधाएँ प्रदान करने में नाकाम है तो फिर इतनी महँगी प्रॉपर्टी को ख़रीदना कितना जायज़ है। बरसात में गुरुग्राम के दिल दहलाने वाले दृश्य हर किसी ने देखे होंगे।

इसी तरह एक और समस्या है जो पूरे देश में फैली हुई है। फिर वो चाहे दिल्ली एनसीआर हो, मुंबई हो या केरल का छोटा शहर, आवारा पशु की समस्या एक ऐसी समस्या है जिससे निदान पाना सरकार की एक बड़ी जिम्मेदारी व प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुछ दिन पहले हमारे एक परिचित, गुरुग्राम में अपने मित्रों के घर से दावत के बाद देर रात नियंत्रित गति से अपनी गाड़ी से दक्षिण दिल्ली के अपने घर आ रहे थे। तभी अचानक एक काले रंग की गाय से उनकी गाड़ी टकरा गई। टक्कर गाड़ी के कई काँच टूटे और गाड़ी को काफ़ी नुक़सान हुआ। उस सुनसान सड़क पर स्ट्रीट लाइट के न होने से यह टक्कर हुई। जैसे-तैसे करके यह श्रीमान अपने घर पहुँचे।

अगले दिन जब यह क़िस्सा साझा हुआ तो हर किसी के मन में यही सवाल उठा कि सरकारें आवारा पशुओं के लिए कुछ करती क्यों नहीं? अंदाज़ा लगाइए कि यदि इनकी जगह कोई दुपहिया वाहन वाला होता तो उसकी क्या स्थिति होती। आए दिन हम यह सुनते हैं कि आवारा पशु, फिर वो चाहे गाय - बैल हों या आवारा कुत्ते, आम नागरिकों को कितना नुक़सान पहुँचाते हैं। परंतु सरकार चाहे राज्य की हो या केंद्र की, इस समस्या पर आँखें मूँद कर बैठी है।

ऐसा नहीं है कि सरकार को इस समस्या के बारे में पता नहीं है या इसका उपाय नहीं कर सकती। आपको याद होगा कि पिछले वर्ष जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारी में देश की राजधानी दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया गया। केंद्र और दिल्ली की सरकार ने इस सम्मेलन को कामयाब करने की दृष्टि से हर वो कदम उठाए जिससे कि इसमें शिरकत करने वाले विदेशी मेहमानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। इसके साथ ही दिल्ली के कुछ इलाक़ों से आवारा

पशुओं को हटाने के आदेश भी जारी हुए थे, जिसे पशु प्रेमियों के विरोध के चलते रद्द किया गया। आदेश का विरोध कर, पशु प्रेमियों ने इसे आवारा पशुओं के हित में बताया है। परंतु यहाँ सवाल उठता है कि इस समस्या से छुटकारा कैसे मिले?

शहरों में आवारा कुत्तों व गोवंश की समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। आम जनता को हर गली मोहल्ले में आवारा कुत्तों व गोवंश से खुद को बचा कर निकलना पड़ता है। यदि इन पशुओं से बचने के लिए हम इन्हें लाठी, डंडा या पत्थर का डर दिखाते हैं तो पशु प्रेमी इसका विरोध करते हैं। कुछ जगहों पर तो ये लोग नागरिकों को पुलिस की कार्यवाही की धमकी तक दे देते हैं। परंतु क्या कभी किसी पशु प्रेमी ने इस समस्या का हल खोजने की कोशिश की है? क्या कारण है कि आवारा पशुओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है?

जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले जब दिल्ली नगर निगम ने यह आदेश दिया कि आवारा पशुओं को कुछ इलाक़ों से हटा कर किसी सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा, तो लगा कि यह एक अच्छी पहल है। जिस तरह देश भर में कई सामाजिक संस्थाएँ गोवंश की सुरक्षा कि दृष्टि से गोशाला चलाती हैं। उसी तरह क्यों न आवारा कुत्तों के लिए भी 'डॉग शेल्टर' जैसी कोई योजना बनाई जाए जहां आवारा कुत्तों को एक सुरक्षित माहौल में रखा जाए। यहाँ पर इन बेज़ुबानों के इलाज की भी उचित व्यवस्था हो। जिन भी पशु प्रेमियों को इन बेज़ुबानों के प्रति अपना वात्सल्य दिखाने की कामना हो वे समय निकाल कर वहाँ नियमित रूप से जाएँ और न सिर्फ़ उनको ख़ाना खिलाए बल्कि उनके साथ समय भी बिताएँ। ऐसा करने से न तो किसी पशु पर अत्याचार होगा और न ही ऐसे आवारा पशुओं से किसी आम नागरिक को कोई ख़तरा होगा।

दुनिया भर में केवल नीदरलैंड ही एक ऐसा देश है जहां पर आपको आवारा कुत्ते नहीं मिलेंगे। यहाँ की सरकार द्वारा चलाए गये एक विशेष कार्यक्रम के तहत वहाँ के हर कुत्ते को सरकार द्वारा इकट्ठा कर उसकी जनसंख्या नियंत्रण करने वाले टीके लगाए जाते हैं। रेबीज़ जैसी बीमारियों से बचाव का टीकाकरण किया जाता है। नीदरलैंड सरकार ने एक अनूठा नियम लागू किया। किसी भी पालतू पशु की दुकान से ख़रीदे गये कुत्तों पर वहाँ की सरकार भारी मात्रा में टैक्स लगती है। वहीं दूसरी ओर यदि कोई भी नागरिक इन बेघर पशुओं को गोद लेकर अपनाता है तो उसे आयकर में छूट मिलती है।

इस नियम के लागू होते ही लोगों ने अधिक से अधिक बेघर कुत्तों को अपनाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नीदरलैंड की सड़कों व मोहल्लों से आवारा कुत्तों की संख्या घटते-घटते बिलकुल शून्य हो गई। दुनिया भर के पशु प्रेमी संगठनों ने इस कार्यक्रम को सबसे सुरक्षित और असरदार माना है। इस कार्यक्रम से न सिर्फ़ आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर रोक लगती है बल्कि आम नागरिकों को भी इस समस्या से निजाद मिलता है। मामला केरल का हो, मुंबई का हो, दिल्ली एनसीआर का या और कहीं का हो, देश भर से ऐसी खबरें आती हैं जहां कभी किसी बच्चे को, किसी डिलीवरी करने वाले को या किसी बुजुर्ग को इन आवारा पशुओं का शिकार होना पड़ता है। अगर कोई अपने बचाव में कोई कदम उठाए तो पशु प्रेमी या गौ रक्षक बवाल खड़ा कर देते हैं। यदि हर शहर के पशु प्रेमी संगठित हो कर भारत सरकार को नीदरलैंड जैसा मॉडल अपनाने सुझाव दें तो वो दिन दूर नहीं जब हमारा देश भी आवारा पशुओं से मुक्त हो जाएगा।

दास्तान-ए- मिडिल क्लास

"हे मिडिल-क्लास तुम्हारा जीवन टैक्स-पे करने के लिए ही हुआ है"

सोरित गुप्तो

शहर जहां खत्म होकर ऊंचे पहाड़ों का बियावान शुरू हो रहा था, ठीक उसी जगह वह अपने दोनों पैरों को नीचे खाई में लटकाकर बैठा था। इस बियावान में सड़क पर पड़े उसके फोन से तलत महमूद के गीत, "तेरी दुनिया में दिल लगता नहीं/ वापस बुला ले" की आवाज दूर से सुनाई दे रही थी।

अचानक एक आवाज आई, "जब रुका हो हर एक काम, तो विजिट करें" हर समस्या का समाधान डॉट कॉम!"

उसने पीछे मुड़कर देखा तो वहां एक लंबी-लंबी दाढ़ी-मूछों वाला एक बाबा रूपी दिव्य पुरुष खड़ा था। दोनों की नजरें यूं चार हुईं जैसे भक्त और भगवान के बीच होती हैं। फिर भी कन्फर्म करने के लिए उसने पूछा, "आप कौन?"

दिव्य पुरुष ने कहा , "आपकी समस्या का समाधान स्पेशलिस्ट"

वह उनके पैरों पर गिर पड़ा और बोला, "प्रभु! मैं परेशान हूं!"

दिव्य पुरुष ने कहा, " किया-कराया, प्रेम-विवाह, सोतन से छुटकारा, प्रेमिका-वशीकरण या विवाह में रुकावट? 48 घंटों में 101 प्रतिशत पक्का समाधान किया जाएगा! चारों तरफ से दुखी व निराश व्यक्ति एक बार जरूर संपर्क करें। बोल तेरी परेशानी इनमें से कौन-सी है?"

उसने कहा, "इनमें से कोई नहीं।"

अब परेशान होने की बारी चमत्कारी बाबा उर्फ दिव्य पुरुष की थी। झुंझलाकर उन्होंने पूछा, "तो तेरी परेशानी क्या है?"

उसने कहा, " मैं कौन हूं?"

बाबा ने सोचते हुए कहा, "आइडेंटिटी क्राइसिस? अरे तुम्हारी पहचान तो तुम्हारे कपड़ों से हो सकती है कि तुम एक "मिडिल-क्लास" हो! तो क्या बस यही परेशानी है?"

उसने कहा, "मेरी परेशानी है टैक्स! जितना भी कमाता हूं सब टैक्स देने में चला जाता है। इनकम करो तो इनकम-टैक्स दो, कुछ खरीदो तो जीएसटी दो, प्रॉपर्टी खरीदो तो उसमें टैक्स, सड़क पर गाड़ी निकालो तो टोल दो, पढ़ाई करो तो सेस दो, फिल्म देखो तो उसका टैक्स भरो...बाबा! मैं करूं तो क्या करूं?"

अचानक एक दिव्य प्रकाश कौंधा और उसने देखा कि बाबा की जगह वहां पर नितीश खड़े थे, जिन्होंने अपनी तर्जनी पर एक सीडी फंसा रखी थी।(पाठक अन्यथा न लें, यहां बात कुमार की नहीं बल्कि महाभारत सीरियल के नितीश भारद्वाज की हो रही है)

बहरहाल, बाबा उर्फ नितीश ने कहना शुरू किया, "टैक्स ही सत्य है, वह अजर है, अमर है। टैक्स को अग्नि जला नहीं सकती, पानी गीला नहीं कर सकता। ठीक जैसे तुम पुराना कपड़ा त्याग कर नया कपड़ा पहनते हो, उसी प्रकार टैक्स एक रूप से दूसरे रूप को प्राप्त करता है। तुम्हें टैक्स के बारे में चिंता छोड़ देनी चाहिए। यह काम तुम्हारे सीए और वित्त-मंत्रालय का है।"

बाबा उर्फ नितीश ने कहा, "क्या लेकर आए थे और क्या लेकर जाओगे? ऑफर लेटर लेकर आए थे और रिलीविंग लेटर लेकर निकल लोगे। कर्म करो।"

उसने टोका, "कर्म ही तो कर रहा हूं पर फल भी तो मिलना चाहिए!"

बाबा उर्फ नितीश ने कहा, "केवल कर्म करो, फल की चिंता न करो, क्योंकि तुम्हारे कर्मों के फलों का जूस देश के अरबपति पी चुके हैं!"

उसने कहा, "आप धन्य हैं! आपने आज मुझे विश्व-दर्शन करवा दिया! बस इतना बता दीजिये कि करों से कब मुक्ति मिलेगी या कभी मुक्ति मिलेगी भी कि नहीं?"

बाबा उर्फ नितीश ने कहा, "जीवन में परेशानी है तो उसका समाधान भी है। हे मिडिल-क्लास तुम्हारा जीवन टैक्स भरने के लिए ही हुआ है। इससे मुक्ति का एक ही उपाय है। तुम्हें कार्पोरेट-योनी में पैदा होना पड़ेगा तभी तुम्हारे सारे टैक्स माफ होंगे।"

इतना कहते हुए वह अदृश्य हो गए।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के एक वर्ष पूरे होने पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। भारत सरकार के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के एक वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय कार्यक्रम वर्धा (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सम्बोधित किया जिसका सीधा प्रसारण माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय रीवा के आडिटोरियम में देखा व सुना गया। वर्धा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि परंपरागत कौशल को नई ऊर्जा देने का संकल्प है प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना। परंपरागत कार्य करने वालें 18 व्यवसायों के लिये लोगों को सम्मान, सामर्थ व समृद्धि देने की मूलभावना इस योजना में निहित है। पारंपरिक कौशल व स्वदेशी हुनर ही हमारा आधार है। गांधी जी ने भी ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने का संदेश दिया था। जरूरत इस बात की है कि इन्हें आगे बढ़ाया जाय ताकि हमारे कुटीर उद्योग राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना से एक वर्ष में 30 लाख लोगों को जोड़कर 8 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया और 6 लाख 50 हजार विश्वकर्मा भाईयों को आधुनिक उपकरण दिये गये तथा इन्हें 1400 करोड़ रूपये का ऋण भी इस अवधि में उपलब्ध कराया गया। रीवा के माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कुटीर उद्योगों को ब?ावा देने तथा परंपरागत व्यवसाय करने वालों को 18 विभिन्न व्यवसायों के लिये प्रशिक्षण देकर तथा ऋण उपलब्ध कराकर उनको आगे बढ़ाने में यह योजना मददगार साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यवसाय करने वाले व्यक्ति देश की रीढ़ है। उनके विरासत में मिले या अपनी प्रतिभा से प्राप्त हुनर को बढ़ावा देकर आर्थिक तौर पर सशक्त करने का प्रधानमंत्री जी का प्रयास वंदनीय है। प्रधानमंत्री जी ने समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति व गांव के प्राचीनतम परंपरागत व्यवसाय विधाओं को ध्यान में रखकर योजना बनाई है। जिसके माध्यम से हितग्राही समृद्ध होगे। श्री शुक्ल ने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन में संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें और रीवा को देश में सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों को लाभ दिलाने वाला जिला बनायें। श्री शुक्ल ने कहा कि आज के कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के लिये मध्यप्रदेश में तीन जिलों का चयन किया गया उसमें रीवा भी शामिल है जो यह दर्शाता है कि केन्द्र सरकार में भी रीवा में हो रहे विकास व हितग्राही मूलक कार्यों की चर्चा है अत- योजना के तहत प्रशिक्षण, टूल वितरण व ऋण स्वीकृत में तत्परता बरतें। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का प्रयास ही इस योजना का उद्देश्य है। ग्रामीण उद्योगों को मजबूत करने के लिये गांधी जी ने ग्राम स्वराज की स्थापना की थी इन 18 व्यवसाय को आधुनिक तौर पर बढावा देकर वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के प्रयास प्रधानमंत्री जी द्वारा किये जा रहे हैं ताकि हमारा देश आर्थिक तौर पर और भी मजबूत हो सके। उन्होंने व्यवसाय से जुड़े जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभ दिलाने की बात कही। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने कहा कि योजना से विश्वकर्मा भाईयों के कौशल उन्नयन में वृद्धि होगी तथा इसका लाभ लेकर वह आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि जिस सूझबूझ के साथ प्रधानमंत्री जी देश को आगे ले जा रहे हैं उसी सूझबूझ से जिले को समृद्धशाली बनाने में उप

मुख्यमंत्री जी एवं सांसद जी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने हितग्राहियों से आगे आकर लाभ लेने की अपील की। इससे पूर्व संयुक्त संचालक दीपक गंगाजली वाले ने योजना के विषय में जानकारी देते हुए संभाग में अब तक हुई प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अभी तक 2495 हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 55 हजार हितग्राहियों ने अपना पंजीयन योजनान्तर्गत कराया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये तथा प्रथम किश्त के तौर पर एक लाख रूपये की राशि का चेक उप मुख्यमंत्री ने प्रदान किये। उप मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी/सह व्यापार मेले का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, वार्ड पार्षद श्रीमती विमला सिंह, पूर्व महापौर राजेन्द्र ताम्रकार, डॉ. आशीष द्विवेदी, अध्यक्ष गंगेव जनपद विकास तिवारी, त्रियुगी नारायण शुक्ल, विधायक प्रतिनिधि राजेश पाण्डेय सहित आईटीआई के अधिकारी, कर्मचारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विवेक नामदेव ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्राचार्य आईटीआई एस.एन. मिश्रा द्वारा किया गया।

निर्माण कार्यों को टेण्डर अवधि में ही पूरा कराएं - कमिश्नर

कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू के कार्यों की समीक्षा की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने लोक निर्माण विभाग पीआईयू के कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि निर्माण एजेंसी के साथ-साथ संबंधित विभाग भी निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करें। निर्माण कार्य स्वीकृत होने के बाद भूमि उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की है। राजस्व अधिकारियों से संपर्क करके निर्माण एजेंसी को भूमि उपलब्ध कराएं। भूमि न मिलने से कई निर्माण कार्य दो वर्ष से अधिक समय से शुरू नहीं हो पाए हैं। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। निर्माण कार्यों को टेण्डर में दी गई अवधि में ही पूरा कराएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। कमिश्नर ने कहा कि उचेहरा, ढेरा, पैपखरा, मझगवां तथा रामपुर बघेलान में स्वीकृत शिक्षा विभाग के सीएम राइज स्कूल एवं अन्य शाला भवनों के निर्माण कार्य में देर हुई है। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी और पीआईयू के कार्यपालन यंत्री निर्माण कार्यों की कठिनाई दूर करके इन्हें तत्काल शुरू कराएं। रामपुर नैकिन में सौ बिस्तर अस्पताल के लिए जमीन निर्धारित कर दी गई है। इसमें भी सात दिवस की समय-सीमा में निर्माण कार्य शुरू कराएं। जिन प्रकरणों में न्यायालय से स्थगन प्राप्त है उनमें भी त्वरित सुनवाई कराकर प्रकरणों का निराकरण कराएं। पूर्ण निर्माण कार्यों को संबंधित विभाग को हैण्डओवर करें। संयुक्त संचालक शिक्षा विभागीय निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करके हर माह प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रीवा कटरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन तथा आवासीय भवनों के निर्माण के लिए सात दिवस में जमीन उपलब्ध कराएं। बैठक में अधीक्षण यंत्री पीआईयू जीएस बघेल ने संभाग के सभी जिलों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में पीआईयू द्वारा किए जा रहे आदिमजाति कल्याण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर तथा प्रभारी जिला संयोजक ट्राईबल पीके पाण्डेय, उपायुक्त डीएस सिंह, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री तथा सहायक यंत्री उपस्थित रहे।

बरगद के कटते पेड़ को बचाया ग्रीन एनवायरमेंट सोसाइटी ने

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।गंगापुर रीवा में गंगापुर तलाव में स्थित 250 साल पुराना बरगद का विशाल वृक्ष जिसको भू माफिया काटने जा रहे थे जिसमें ग्रीन एनवायरमेंट समिति एवं स्थानीय लोगों ने त्वरित करवाई करते हुए एसडीएम वैशाली जैन से शिकायत की एवं एसडीएम मैडम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनके साथ एसडीएम कार्यालय से रवाना हो गई और स्थल में पेड़ को काटने से रोक दिया गया एवं भविष्य में पेड़ को काटा ना जा सके इसके लिए स्थानीय लोगों ने एवं ग्रीन एनवायरमेंट समिति ने एसडीएम मैडम को ज्ञापन सोपा।

सिंधु भवन पीटीएस चौराहा में भारतीय सिंधु सभा की बैठक संपन्न, 22 सितम्बर को अनमोल रत्न अवार्ड से सम्मानित होंगे सिंधी समाज के होनहार बच्चे, नर्सरी से पोस्ट ग्रेजुएट तक विद्यार्थियों का किया जाएगा सम्मान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।सामाजिक संस्था भारतीय सिंधू सभा रीवा शाखा के अध्यक्ष खेमचंद लालवानी ने जानकारी देते हुए बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष 22 सितम्बर 2024 दिन रविवार को सायं 6 बजे से सिंधू भवन हाल में सिंधी समाज के 550 प्रतिभावान छात्र - छात्राओं को अनमोल रत्न अवार्ड से भारतीय सिंधू सभा रीवा सम्मानित करेगी।संस्था की मुख्य शाखा रीवा के महासचिव विनोद पुरुस्वानी ने बताया कि हर क्लास के लगभग 550 बच्चों के रजिस्ट्रेशन कर लिए गए है, जिनका सम्मान 22 सितम्बर को किया उसके उपरांत सुरुचि भोज की व्यवस्था समाज के लिए की गई है कोषाध्यक्ष मदन लाल चुंगवानी ने जानकारी दी है की कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है और सिंधी समाज के सभी वर्गों से सहयोग मांगा गया हैबैठक में शामिल रहे भारतीय सिंधु सभा के अध्यक्ष खेमचंद लालवानी अशोक मंजनी (पप्पू भैया) महासचिव विनोद पुरुस्वानी कोषाध्यक्ष मदन चुगवानी शेखर सचदेव श्याम वाधवानी मनोहर कटारिया आदि।

थाना मनगवां पुलिस द्वारा टावर से चोरी गई बैट्री, केविल तार के साथ 02 चोर गये गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार लाल के निर्देशन में अनुविभागीय अधि. अनुभाग मनगवां डाक्टर के.एस. व्दिवेदी एवं थाना प्रभारी मनगवां के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी गंगेव उनि. रामनरेश तिवारी व हमराह पुलिस स्टाफ की मदद से थाना मनगवां के अपराध क्र. 439/2024 धारा 303(2) व्ह्स. में चोरी गई डीजी बैट्री, कापर केविल, को काफी प्रयास के बाद चोरी गई। मय चोरी गई बैट्री व केविल तार एवं घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन बोलेरो (कार) के साथ 01 नफर अपचारी बालक एवं 01 नफर आरोपी आरोपी को दिनांक 19.09.2024 को गिरफ्तार/दस्तयाब कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। जहां से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को केन्द्रीय जेल रीवा व अपचारी को बाल संप्रेक्षण गृह भेज गया। प्रकरण में शामिल अन्य फरार आरोपीगणो की पता तलाश लगातार जारी है।

बरामद चोरी गया मसरुका: - 01 नग बेट्री, एवं कापर केविल तार कुल कीमती 10000/- एवं घटना में प्रयुक्त वाहनः- 04 पहिया वाहन कीमती 5 लाख रुपये।

गिरफ्तार आरोपी:- विवेक पटेल पिता अमृतलाल पटेल उम्र 20 वर्ष नि. रजहा थाना मनगवां, एवं 01 नफर अपचारी बालक

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी निरीक्षक वर्षा सोनकर, उप.निरी. रामनरेश तिवारी, आर. विजय यादव, आर. अभय यादव, आर. शिवेन्द्र साकेत, आर. कृष्णकांत शर्मा।

तृप्ति डिमरी को आए दिन मिल रहे हैं शादी के प्रपोजल

(फोटोः एएनआई)

एनिमल फेम अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने कहा कि उन्हें हाल ही में शादी के बहुत सारे प्रस्ताव मिले हैं और उन्हें यह बहुत अजीब लगता है। हाल ही में एक मैगजीन को दिए गए इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि उन्हेंक आजकल मैसेज से शादी के कई ऑफर मिल रहे हैं, मुझे यह बहुत अजीब लगता है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के प्रमोशन में अपना लुक शेयर करते हुए एक वीडियो शेयर किया था। उनका यह लुक 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के ट्रेलर लॉन्च से था। इसमें वह फ्लोरल पैटर्न वाली साड़ी में नजर आ रही थी। उन्होंने मैचिंग दुपट्टा, चूड़ियां और सनग्लास के साथ अपने लुक को पूरा किया। वीडियो में उनसे पूछा गया कि क्या वह अपने 60 के दशक में होने के सपने को जी रही हैं, इस पर अभिनेत्री ने हां में जवाब दिया। 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में राजकुमार राव, मल्लिका शेरावत, विजय राज और मुकेश तिवारी भी हैं।

फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत अभिनेता राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी से होती हैं। दोनों अपनी शादी की पहली रात को यादगार बनाने के लिए बात करते हैं। विक्की के किरदार में राजकुमार राव अपनी पत्नी विद्या से कहते हैं कि अंग्रेज अपनी सुहागरात की सीडी बनाते हैं और बुढ़ापे तक उसे देखते हैं, क्यों न हम भी सीडी बनाएं। ट्रेलर में आगे विक्की और विद्या की सुहागरात पर बनाई गई सीडी चोरी हो जाती है और यहीं से शुरू होती है सीडी की तलाश। फिल्म में भरपूर रोमांस, कॉमेडी और सस्पेंस हैं। दर्शकों को ट्रेलर पसंद आया है।

फिल्म की मुख्य शूटिंग ऋषिकेश में की गई है और यह अप्रैल 2024 में पूरी होगी। फिल्मि का निर्देशन आयुष्मान खुराना अभिनीत ड्रीम गर्ल और ड्रीम गर्ल 2 के लिए मशहूर निर्देशक राज शांडिल्य ने किया है। रणबीर कपूर अभिनीत 'एनिमल' के बाद यह तृप्ति डिमरी की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उनकी 'बेड न्यूज' हिट साबित हुई थी।

15 नवंबर को रिलीज होगी द साबरमती रिपोर्ट

विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर द साबरमती रिपोर्ट, 15 नवंबर को रिलीज होगी। द साबरमती रिपोर्टर के दमदार टीजर ने 27 फरवरी 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस पर हुई घटना की एक झलक दिखाई है। ये फिल्म विक्रांत मैसी की 12वीं फेल के बाद, पहली थिएटर रिलीज है। जैसे 12वीं फेल एक असल कहानी पर आधारित थी, वैसे ही द साबरमती रिपोर्ट भी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म के लिए बढ़ते उत्साह के साथ, मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है।

शरवरी ने मुंजा की सफलता पर खुशी जताई

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी ने हॉरर फिल्म मुंजा की सफलता पर खुशी व्यक्त की है। फिल्म मुंजा ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर शानदार सफलता हासिल की है। यह फिल्म थिएटर, स्ट्रीमिंग और सेटेलाइट तीनों माध्यमों में जबरदस्त हिट साबित हुई है। मुंजा की सफलता का आनंद ले रही शरारी ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमें वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुंजा ने तीनों माध्यमों - थिएट्रिकल, स्ट्रीमिंग और सेटेलाइट पर हैट्रिक मारी है! मेरे जैसे किसी के लिए, इस करियर के शुरुआती चरण में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, मुंजा की इस अद्भुत सफलता की कहानी का मतलब है कि मेरा प्रदर्शन इतने लोगों तक पहुंच चुका है।

(फोटोः एएनआई)

द बकिंघम मर्डर्स साहसिक फिल्मः करीना कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को साहसिक फिल्म बताया है। करीना कपूर की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स हाल ही में रिलीज की गयी है, जिसमें करीना के अभिनय को पसंद किया जा रहा है। करीना ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने 25वें साल में इंडस्ट्री में इस फिल्म का चेलेंज लिया। करीना कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि बकिंघम मर्डर्स एक बहुत ही साहसिक फिल्म है क्योंकि ये फिल्म हमने इसी इरादे के साथ बनाई थी कि ये अपनी जातीयता और प्रामाणिकता के बिल्कुल करीब रहे।

हम चाहते थे कि ये फिल्म इंग्लैंड के एक छोटे शहर में शूट हो और कहानी भी वही हो, लेकिन जैसा हंसल ने इसे शूट करना चाहा, हमें लगा कि लोगों को हिंदी बोलते हुए नहीं दिखाया जा सकता, जो लोग वहां के लोकल्स हैं। तो हमने कहा कि चलो एक हिंदी, इंग्लिश और हिंग्लिश मिक्स फिल्म बनाते हैं और इसे बिल्कुल असली फॉर्म में रखते हैं। पता नहीं क्यों, मुझे बस ये फिल्म करनी थी। मैंने सोचा, 25 साल बाद यदि अव एक्सपेरिमेंट करके कुछ अलग नहीं किया, तो कभी नहीं कर पाऊंगी। और वैसे भी मैंने हमेशा ऐसा ही किया है, जैसी चमेली और देव जैसी फिल्में अपने करियर की शुरुआत में ही कर ली थीं।

'द बकिंघम मर्डर्स' में करीना कपूर खान, ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। हंसल मेहता द्वारा डायरेक्टेड और असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखी गई यह कहानी, महाना फिल्म्स और टीवीएम फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसे बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा प्रेजेंट किया गया है और शोभा कपूर, एकता आर कपूर और पहली बार प्रोड्यूसर बनीं करीना कपूर खान द्वारा साथ प्रोड्यूस किया गया है।

सैयामी खेर ने बढ़ाया देश का सम्मान

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर जर्मनी में होने वाले 'आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन' को पूरा कर मेडल पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। उन्होंरने कहा कि यह उनके लिए बड़े गर्व की बात है और हमेशा से ही वह इसे करना चाहती थी। इस रेस में 1.9 किलोमीटर तैराकी, 90 किलोमीटर साइकिलिंग और 21.1 किलोमीटर दौड़ शामिल होती है।

सैयामी ने कहा, आयरनमैन 70.3 की फिनिश लाइन पार करना और मेडल हासिल करना मेरे जीवन के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है।

मैं हमेशा से ही इसे करना चाहती थी। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं कि आखिरकार मैंने यह कर दिखाया। 12 से 14 घंटे की शूटिंग के साथ आयरनमैन के लिए प्रशिक्षण लेना कठिन था। अभिनेत्री ने कबूल किया कि ऐसे दिन भी थे, जब प्रेरणा कहीं नहीं मिलती थी। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में खुद के साथ लड़ाई जैसा लगा। सभी तरह के उतार-चढ़ावों के बावजूद मैंने कड़ी मेहनत के साथ फिनिश लाइन को पार किया। यह रेस वास्तेव में मेरे लिए अपना रास्ता खोजने के बारे में थी।

उन्होंने कहा कि वह बहुत खुश हैं कि वह इसमें कामयाब रहीं। इस रेस ने मुझे दृढ़ संकल्प होने की शक्ति दिखाई कि अगर आप किसी चीज पर अपना मन लगा लेते हैं तो कोई आपको रोक नहीं सकता। मैं इस पल को हमेशा अपने साथ रखूंगी। मैं ना केवल खेल में बल्कि अपने अभिनय करियर में भी एक लंबी रेस को पार करना चाहती हूं। सैयामी हाल ही में ताहिरा कश्यप निर्देशित 'शर्माजी की बेटी' में नजर आईं थी। अब, वह सनी देओल के साथ नजर आएंगी। सैयामी तेलुगु फिल्म निर्माता गोपीचंद मालिनेनी की 'एसजीडीएम' में भी दिखाई देंगी, जिन्होंने पहले 'डॉन सीनू', 'बालुपु', 'पंडगा चेस्को', 'विनर', 'बॉडीगार्ड' और 'क्रैक' जैसी फिल्मों में अपना कौशल दिखाया है।

बहुरंग

आशुतोष गोवारिकर निभायेंगे जासूस की भूमिका

सोनी लिव के ओरिजिनल शो मनवत मर्डर्स में आशुतोष गोवारिकर जाने-माने जासूस रमाकांत एस. कुलकर्णी की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। सोनी लिव एक दिलचस्पे क्राइम थ्रिलर सीरीज मनवत मर्डर्स की पेशकश के लिये तैयार है। इसमें भयानक ऐतिहासिक घटनाओं में से एक का खुलासा होगा, जिसने 70 के दशक में देश को झकझोर दिया था। आशीष बेंडे द्वारा निर्देशित इस शो में आशुतोष गोवारिकर ने सीआईडी के एक बेहतरीन जासूस रमाकांत एस. कुलकर्णी की भूमिका निभाई है। कुलकर्णी को भारत का शेरलॉक होम्स भी कहा जाता है। इस नये तरीके की भूमिका में गोवारिकर का अनोखा अंदाज़ दिखेगा, क्यों कि वे बिल्कुमल शांत रहेंगे, लेकिन उनकी सोच की कोई सीमा न होगी। उनके किरदार में अटूट समर्पण, दृढ़ता और वह विशेषज्ञता होगी, जिसकी जरूरत इतिहास के सबसे पेचीदा मामलों में से एक को सुलझाने के लिये थी। सीरीज में वह 1970 के दौरान ग्रामीण महाराष्ट्रल में हुई अजीबोगरीब हत्योओं की गुत्थीक सुलझाने की कोशिश करेंगे। इस कोशिश में उन्हेंल समय को भी मात देनी होगी।

दिलचस्प

दुबई में दोस्तों संग जन्मदिन मनाएंगी आकांक्षा रंजन कपूर

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर दुबई में अपने दोस्तों के साथ अपना जन्मदिन मनायेंगी। आकांक्षा रंजन कपूर, को गिल्टी, रे और मोनिका ओ माय डार्लिंग जैसी परियोजनाओं में उनके शानदार अभिनय के लिए जाना जाता है।अपने जन्मदिन को और भी खास बनाने के लिए, वह अपने दोस्तों के साथ अपने काम के शेड्यूल से ब्रेक लेने के लिए दुबई गई हैं। उनके साथ उनकी माँ अनु रंजन भी होंगी।

अपने जन्मदिन की योजनाओं के बारे में बात करते हुए, आकांक्षा ने साझा किया, मेरी माँ, मेरा जन्मदिन मनाने के लिए मेरे साथ शामिल होंगी। मैं ढ़ेर सारा केक खाऊँगी! मैं गोल्फ़ भी खेलूँगी। ऐसा लगता है कि मैं जितनी बड़ी होती जा रही हूँ, मुझे अपने जन्मदिन पर ये सब करने में उतना ही मज़ा आता है। आकांक्षा ,संदीप किशन के साथ मायावन में अपनी दक्षिण भारतीय फ़िल्म की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। उनके पास पाइपलाइन में कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट भी हैं, जिनकी घोषणा अभी नहीं की गई है।

कैंसर जागरूकता अभियान में शिरकत करेंगी रानी मुखर्जी

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रानी मुखर्जी वर्ल्ड रोज डे के मौके पर कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन के साथ साझेदारी कर रही हैं। रानी मुखर्जी मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक को लाल रंग में रोशन करेंगी, जिससे कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके। इस महत्वपूर्ण आयोजन में रानी के साथ कुछ युवा कैंसर मरीज भी शामिल होंगे। रानी मुखर्जी ने कहा, "मुझे इस महत्वपूर्ण उद्देश्य का समर्थन करने का अवसर मिला, इसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। मैं कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे इस नेक काम का हिस्सा बनने का मोका दिया। जो लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। उन्हें हमारे समर्थन और करुणा की जरूरत है। हमें सभी को कैंसर के बारे में जागरूक करने में भाग लेना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि यह गतिविधि जागरूकता फैलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रानी मुखर्जी ने कहा, कलाकार के रूप में हमें अपने दर्शकों से बहुत सारा प्यार मिलता है। यह हमें एक जिम्मेदारी भी देता है कि जब भी जरूरत हो, हम अपनी भूमिका निभाएं। मैं मानती हूं कि कलाकारों को अपनी आवाज का इस्तेमाल महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करना चाहिए। हमें कैंसर से पीड़ित लोगों और उनके परिवारों के लिए करुणा का माहौल तैयार करना चाहिए। इस तरह की पहलें ऐसे संदेशों को मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी हैं।

चार लाख की स्मैक के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -जिले में चल रहे अबैध मादक पदार्थ, जुआ, सट्टा,अबैध हथियार, अबैध खनन परिवहन, अबैध शराब की धरपकड के लिए शिवपुरी पुलिस लगातार प्रयास कर रही इसी प्रयास मैं सतनवाडा थाना प्रभारी ने दिनाकं 20/09/2024 को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति गेंहुआ रंग के कपडे पहने डोंगर पुल के नीचे एबी रोड सतनवाडा पर स्मैक बैचने के लिये लेकर आ रहा है उक्त सूचना की तश्दीक हेतू मुखविर द्वारा वताये स्थान पर पहुचें तो वंहा पर मुखविर के बताये हुलिए का एक व्यक्ति आते हुए दिखाई दिया जो पुलिस को देख भागने लगा जिसे पुलिस की मदद से घेरकर पकडा जिससे नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम बुद्धी प्रकाश पुत्र स्व. बाबूलाल नाथ (जंगम पटवा) उम्र 52 साल निवासी कडिया नोहर थाना छवडा जिला बांरा राजस्थान का होना वताया उक्त व्यक्ति की तलाशी ली गई तो कुर्त की दाहिनी तरफ की जैब से एक लाल रंग का छोटा पर्स जिसमें जिसे खोलकर देखा जिसमें सफेद रंग की पारदर्शी पन्नी में मादक पदार्थ 20(बीस)ग्राम स्मैक पाउडर अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 4,00,000/-(चार लाख रुपये) की मिली जिसे विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अपराध कायम किया गया। गिरफ्तार आरोपी से स्मैक सप्लायर के संबंध में विस्त्रत पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निम्नाकितं फोर्स की अहम भूमिका रही।

सराहनीय योगदान- थाना प्रभारी कुसुम गोयल, सउनि. बृजेन्द्र कुमार पाठक, प्र.आर.निरंजन सिंह गुर्जर, प्र.आर. भगवान लाल, आरक्षक धर्मेन्द्र शर्मा, आरक्षक पवन धाकड, आरक्षक प्रशान्त गुर्जर, आरक्षक दीपक किरार, आरक्षक चा.शिवराज हिंडोलिया, आरक्षक महेश कुमार, आरक्षक शिवराज धाकड, सैनिक धर्मेन्द्र राठोर थाना सतनवाडा की अहम भूमिका रही ।

कोई भी बिना अनुमति के प्रतिमा स्थापित न करें

राजनीतिक दलों विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- अभी हाल ही में जिले में पिछोर, करेरा क्षेत्र में कई ऐसी घटनाएं हुई है जिनमें बिना किसी सूचना या अनुमति के महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा स्थापना को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन है। शासन द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। सभी को इन निर्देशों का पालन करना है। इस संबंध में विधायकगण, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और भीमआर्मी सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधि के साथ बैठक आयोजित की गई और सभी को शासन के निर्देशों के पालन के लिए कहा गया। इसके अलावा सभी से इस संबंध में सुझाव भी लिए गए।कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने कहा कि प्रतिमा स्थापित करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया है जिसमें नगरीय निकाय या पंचायत क्षेत्र जहां कहीं भी प्रतिमा स्थापित किया जाना है वहां पर प्रक्रिया अनुसार आवेदन दें और अनुमति लेना होगी। भूमि आवंटन के लिए भी नियम है। बिना अनुमति के प्रतिमा स्थापित न करें। सामाजिक सौहार्द्र का वातावरण बनाए रखने के लिए भी यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिन महापुरुष की प्रतिमा स्थापित की जा रही है उनके संबंध में किसी भी प्रकार का विवाद ना हो। निर्विवाद स्थल पर ही प्रतिमा स्थापित की जाए। किसी एजेंसी द्वारा प्रतिमा स्थापना का कार्य किया जाएगा यह भी उल्लेख करें।

पक्के पत्थर या धातु की प्रतिमा ही स्थापित करें -बैठक में यह भी चर्चा की गई कि प्रतिमा का निर्माण पक्के पत्थर या धातु से ही होना चाहिए। सीमेंट, कच्चे स्टोन, मार्बल आदि से निर्मित प्रतिमा ना रखें। प्रतिमा टूटने के कारण भी कई बार विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। बैठक में उपस्थित पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, करैरा विधायक रमेश खटीक और पोहरी विधायक कैलाश कुशवाहा ने भी बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों से कहा कि इसमें सभी के स्तर से प्रयास होना चाहिए। आज प्रशासन द्वारा बैठक में जो बात कही गई है नियमानुसार विधिवत प्रक्रिया से ही अनुमति लेकर प्रतिमा स्थापित करें।

कोलारस विधायक ने सुनी जनता की समस्या जनसुनवाई में आए सौ आवेदन तुरंत किया निराकरण

संवाददाता प्रदीप जैन (पिंटू) रन्नौद

रन्नौद।नगर के रेस्ट हाउस पर शुक्रवार को कोलारस विधायक महेंद्र सिंह यादव ने जनता के बीच बैठकर समस्याएं सुनी ,करीब 100 से ज्यादा समस्याओं के आवेदन विधायक को ग्रामीणों ने दिए जिसमें प्रधानमंत्री आवास, जमीन से संबंधित फौती नामांतरण, सीमांकन ,नगर परिषद में नाली सड़क वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री सम्मान निधि आदि समस्याओं के विधायक को आवेदन दिए और साथ में मौके पर मौजूद रहे एसडीएम कोलारस को तत्काल अमल करने के निर्देश दिए इस जनसुनवाई में विद्युत विभाग ,राजस्व पुलिस नगर परिषद सभी के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे जनसुनवाई के बाद एसडीएम, तहसीलदार साथ में विधायक शासकीय अस्पताल का निरिक्षण करने पहुचे, दो दिन पहले हुई आगजनी को देखने के लिए मौके पर पहुंचे जहां लोगों ने ग्राउंड में अवैध कब्जा कर रखा उसे हटाने के निर्देश दिये, रन्नौद अस्पताल में एक्सरा लैब और स्टाफ की मांग को लेकर विधायक ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा।

जब तक सर्व समाज के लिए नहीं लडोगे तब तक तुम लोग सांसद, विधायक नहीं बन पाओगे-एसपी सिंह बघेल

-सत्ता हर ताले की चाबी लेकिन शिक्षा जंग लगे ताले की भी चाबी है इसलिए शिक्षित बनो -पाल बघेल धनगर समाज के संभागीय सम्मेलन में पहुंचे केन्द्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल

-पाल बघेल समाज को कभी पीठ नहीं दिखाउंगा - प्रधुम्न सिंह तोमर

-आज मैं जो कुछ भी हूं पाल बघेल समाज की देन हूं -सांसद कुशवाह

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जब तक तुम सिर्फ अपने समाज के लिए लडोगे तुम उन्नति नहीं कर पाओगे जब तक सर्व समाज के लिए लडोगे तब उन्नति करोगे जिस दिन तुमने अन्य समाज के लिए लडना, जेल जाना शुरू कर दिया उस दिन सरपंची, पार्षदी क्या विधानसभा लोकसभा के दरवाजे भी तुम्हारे लिए खुल जायेंगे। पाल बघेल समाज के लोग टिकट के लिए अपने राजनैतिक बायोडाटा में अपने समाज की संख्या तो लिखते हैं लेकिन कभी यह नहीं लिखते कि तुम लोगों ने कितने आंदोलन किए कितने बार जेल गए, कितनी बार काम न होने पर नेताओं को काले झण्डे दिखाए जिस दिन विरोध करना सीख जाओगे उस दिन टिकट भी मिल जायेंगे क्योंकि जब तक बच्चा नहीं रोता तब तो मां भी दूध नहीं पिलाती ये तो राजनैतिक पार्टियां हैं, यह कहना था आज करैरा में आयोजित पाल बघेल धनगर समाज के संभागीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि आए केन्द्रीय राज्य मंत्री मत्स्य, पशुपालन, डेयरी एवं पंचायत मंत्री भारत सरकार एसपी सिंह बघेल का। इस कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री एवं मप्र सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर, ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह, पाल बघेल समाज धनगर समाज के राष्टीय अध्यक्ष राकेश पाल, पूर्व विधायक लाखन सिंह बघेल, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजू बाथम, पूर्व मंत्री जसवंत जाटव मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक पाल बघेल धनगर के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. गोपाल सिंह पाल द्वारा की गई। कार्यक्रम से पूर्व केन्द्रीय मंत्री का विशाल रोड शो करैरा में निकला जिसमें एक सैंकडा वाहनों का काफिला था।कार्यक्रम का प्रारम्भ लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर ने कहा कि मुझे महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विशेष रूप से आपके बीच भेजा है उन्हें आपकी समाज की बहुत चिंता है आज मैं आपको वचन देकर जाता हूं कि पाल बघेल समाज को कभी पीठ नहीं दिखाउंगा। ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि आज मैं जो कुछ भी हो पाल बघेल समाज की देन हूं क्योंकि जब विधायक था तब इस समाज ने मुझे जिताया और आज सांसद भी मैं इस समाज की वोटों से बना हूं। पाल बघेल, धनगर समाज के राष्टीय अध्यक्ष राकेश पाल ने कहा कि अब समाज का अगला कार्यक्रम ग्वालियर में होगा जिसमें 1 लाख से अधिक लोग शामिल होंगे उसके बाद प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक लाखन सिंह ने कहा कि करैरा में समाज के संगठन को तोडने की जो कोशिश करेगा उसे ये समाज कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि आप सभी एकजुट होकर सामाजिक संगठन में कार्य करें लेकिन इन संगठनों का उपयोग अपने अपने प्रत्याशियों को जिताने में भी करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाल बघेल धनगर समाज के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. गोपाल सिंह पाल ने कहा कि ये पाल बघेल समाज बहुत ईमानदार समाज है जिसका साथ देती है ईमानदारी से देती है, इस समाज ने मेरा साथ पिछोर में दिया क्योंकि भाजपा ने जब मुझे पिछोर विधानसभा का प्रभारी बनाया तो वहां भाजपा को विधानसभा और लोकसभा में भी अच्छी जीत मिली मैं आज उपस्थित हजारों की संख्या में आई समाज के चरणों में वंदन करता हूं जिन्होंने आज इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाया जो मेरी एक आवाज में यहां आई। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी नेपाल सिंह बघेल ने किया। कार्यक्रम पाल बघेल समाज के जिलाध्यक्ष एडव्होकेट रामस्वरूप बघेल, युवा जिलाध्यक्ष शिशुपाल पाल, गंगाराम बाबा, रामसेवक बाबूजी, कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हेमलता हरिकृष्ण बघेल शिवपुरी,जिला पंचायत सदस्य केशव सिंह बघेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष नरवर श्रीमती प्रियंका गौरव पाल,करैरा जनपद पंचायत अध्यक्ष पुष्पेंद्र जाटव, गिर्राज पहलवान, पार्षद ज्योति राजा दिनेश पाल ,क्षेत्रीय जनपद सदस्य,क्षेत्रीय सरपंच, सभी मीडिया कर्मी समाज संगठन द्वारा पाल बघेल समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के लिए 2016 में भारत सरकार के आदेश को म.प्र. में लागू करवाने के लिए भी मांगपत्र केन्द्रीय मंत्री को सौंपा एवं क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह को पाल बघेल समाज की देवी अहिल्याबाई होल्कर की स्मारक एवं समाज को छात्रावास बनाने हेतु मांगपत्र भी सौंपा।

स्वयं सेविकाओं द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मेगा इवेंट कार्यक्रम सम्पन्न

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एमजेएस शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय भिंड में स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवा? अंतर्गत राष्टीय सेवा योजना की स्वयंसेवक और स्वयं सेविकाओं द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मेगा इवेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.आर ए शर्मा सर ने स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाई प्राचार्य ने छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है बल्कि हमारे समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई अधिकारी डॉ अनिता बंसल ने कहा आइए हम सभी मिलकर अपने परिसर को स्वच्छ बनाएं और अपने समाज को भी स्वच्छ बनाने का संकल्प लें। कार्यक्रम अधिकारी ने छात्र एवं छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हम सबकी छोटी - छोटी कोशिशें स्वच्छता के प्रति आपकी जागरूकता एक ब?ा परिवर्तन ला सकती हैं आइए हम सभी मिलकर स्वच्छता का संकल्प लें उसके बाद छात्र एवं छात्राओ ने मां सरस्वती प्रतिमा को स्वच्छ कर महाविद्यालय परिसर मे साफ सफाई की और परिसर को प्लास्टिक मुक्त किया। कार्यक्रम हेतु सर्वप्रथम स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओ को कैप तथा हैंड ग्लव्स का वितरण किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकएवं स्वयंसेविकाओ द्वारा कॉलेज परिसर से बाहर भवानीपुरा सरोज नगर मे स्वछता के प्रति अन्य जन मानस को जागृक करने हेतु एक रैली भी निकाली गयी। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचर्य डॉ. आर ए शर्मा के संरक्षण मे एवं राष्टीय सेवा योजना इकाई एक की कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनिता बंसल के मार्गदर्शन मे हुआ। कार्यक्रम मे स्वयंसेवक एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। रैली में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेकाओ -ने स्वच्छता ही सेवा है स्वच्छता ही स्वास्थ्य है। आओ मिलकर स्वच्छ बनाएं अपना परिसर अपना समाज। स्वच्छता के लिए हम सब जिम्मेदार हैं आदि नारे लगाए और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाई। उन्होंने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

जिला अस्पताल में आयुष्मान शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

खरगोन ज़िले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

20 से 30 सितंबर तक चलाया जाएगा आयुष्मान पखवाड़ा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अति महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत निरामय योजना 23 सितंबर 2018 से शुरू की गई है। 6 वर्षों के सफलतापूर्वक संचालन के उपलक्ष्य में 20 से 30 सितंबर तक आयुष्मान आपके द्वार थीम पर इस वर्ष का आयुष्मान पखवा?ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें हर दिन अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस आयुष्मान पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में जागरूकता लाना है तथा अधिक से अधिक आयुष्मान हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाना है।आयुष्मान पखवाड़ा के अंतर्गत मेरा अस्पताल आयुष्मान के अंतर्गत जिला अस्पताल खरगोन में 20 सितंबर को आयुष्मान शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में सिविल सर्जन डॉ. अमर सिंह चौहान, आरएमओ डॉ. धीरेंद्र सोनी, अस्पताल आयुष्मान नोडल डॉ. दिलीप सेप्टा, हॉस्पिटल मैनेजर, नर्सिंग मेट्रॉन और सभी अस्पताल कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत में श्री गिर्राज सिंह सिकरवार जी बने संभाग संगठन मंत्री ग्वालियर

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर।क्षत्रिय महासभा की बैठक में संभाग अध्यक्ष श्री रामअवतार सिंह राजावत जी की अनुशंसा पर सिकरवार प्रोपर्टी डीलर श्री गिर्राज सिंह सिकरवार जी को सर्व सहमति से ग्वालियर संभाग का संगठन मंत्री चुना गया ।संगठन मंत्री बनाए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह राजावत जी समेत सभी पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं एवं गिर्राज सिंह जी ने कहा कि समाज ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है उसे पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निर्वाह करते हुए क्षत्रिय समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहूंगा एवं संगठन को मजबूत करने में हमेशा सहयोग करेंगे।

करैरा- मूर्ति अनावरण के साथ हजारों की संख्या में पाल समाज का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

मूर्ति अनावरण के साथ हजारों की संख्या में पाल समाज का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न

करैरा- शिवपुरी जिले के नगर करैरा में पाल बघेल समाज का भव्य विशाल सम्मेलन 19 सितंबर को संपन्न हुआ जिसमें हजारों की तादाद में लोग मौजूद रहे आपको बता दे यह कार्यक्रम करैरा के ताज विलास गार्डन में आयोजित किया गया जहां लगभग 10 हज़ार की संख्या मे समाज बंधु मौजूद रहे साथ ही लोक माता देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति का अनावरण हुआ यह सम्मेलन अखिल भारतीय पाल महासभा के तत्वधान में किया गया वही अखिल भारतीय पाल महासभा के राष्टीय अध्यक्ष शैतान सिंह पाल ने समाज को संबोधित करते हुए कहा यह संगठन 1911 से समाज हित में कार्य कर रहा हैं इसका उद्देश्य समाज को मजबूत करना एवं हर एक व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है ,सांसद एवं विधायकगणों ने पाल बघेल समाज आगे बढ़ाने के लिए खोला पिटारा ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने ग्वालियर संभाग में अखिल भारतीय पाल महासभा के लिए विशाल सामुदायिक भवन की घोषणा साथ ही प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत ने कहा कि पाल समाज के साथ में हमेशा साथ हूं साथ रहूंगा विपरीत परिस्थिति में भी समाज के साथ रहूंगा ,करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने पाल बघेल समाज के लिए 50 लाख रुपए की घोषणा के साथ बघेल समाज के हर एक मोहल्ला में हैंडपंप की घोषणा पिछोर विधायक प्रीतम सिंह ने कहा पाल समाज के लिए मेरी जेब हमेशा खुली रहेगीसाथ ही कार्यक्रम में सम्मिलित एड. धर्मेंद्र पाल प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय पाल महासभा, भारत सिंह कुशवाहा सांसद ग्वालियर, रणवीर सिंह रावत प्रदेश महामंत्री भाजपा, राजू बाथम भाजपा जिला अध्यक्ष, रमेश प्रसाद खटीक विधायक करैरा, प्रीतम लोधी विधायक पिछोर, देवेंद्र जैन विधायक शिवपुरी, महेन्द्र सिंह यादव विधायक कोलारस, एड. श्रीलाल बघेल पूर्व विधानसभा प्रभारी डबरा, कार्यक्रम संरक्षक अंगद सिंह बघेल पूर्व जिला पंचायत सदस्य, केशव सिंह बघेल जिला पंचायत सदस्य ग्वालियर, अध्यक्षता सीताराम पाल जिला अध्यक्ष अ. भा. पाल महासभा, भरत पाल बसाई पूर्व लोकसभा प्रत्यासी ग्वालियर, जगत सिंह बघेल विधायक प्रतिनिधि, लोकगीत गायक जयसिंह राजा, आयोजन कर्ता- एड. महेंद्र पाल युवा जिला अध्यक्ष, सहाब सिंह बघेल युवा जिला उपाध्यक्ष, माधव सिंग बघेल, दीपेंद्र पाल युवा जिला मीडिया प्रभारी एवं सभी समाज बंधु मौजूद रहे..!!!

दबोह में भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर बनाये सदस्य

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सदस्यता महा अभियान पूरे प्रदेश में जोरशोर से चलाया जा रहा है।जिसके चलते लहार विधायक अम्बरीष शर्मा(गुड्डू)के नेतृत्व में दबोह मण्डल की टीम ने घर घर जाकर सदस्यता अभियान चला कर लोगो को भाजपा की योजनाओं से अवगत कराया और भाजपा में सदस्यता दिलाई।इसी क्रम में दबोह नगर की वार्ड 11 से लेकर वार्ड 15 तक भाजपा नेता परमाल गुर्जर ने सदस्यता अभियान के तहत सैंकड़ो सदस्य बनाये।तो वहीं देवरी मे शिवराज यादव,भगवती दुबे,परैछा में अंजनी कुरचानियां,शिवकुमार गोस्वामी, पवन मुदगिल,मुरावली में राव साहब गुर्जर,केशव विजपुरिया ने नए सदस्य जोड़े।

सुरायता गांव में आईमाताजी धर्म रथ बैल का गाजे बाजों के साथ किया भव्य बधावणा बैल रथ के दर्शन कर खुशहाली की कामना

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली । सोजत तहसील के निकटवर्ती गांव सुरायता में मंगलवार को सीरवी समाज की आराध्य देवी श्री आई माताजी का धर्म रथ वैल का आगमन हुआ। सीरवी समाज की आराध्य देवी श्री आई माताजी का धर्म रथ वैल हर दिन जात के लिए गांव गांव भ्रमण करता है तो सुरायता गांव में जात हेतु भ्रमण हुआ तो सुरायता गांव के सीरवी समाज के लोगो ने श्री आई माताजी के धर्म रथ का बन्धावा किया गया। बन्धावा में सुरायता गांव के समस्त सीरवी समाज के पुरूषो व बुजुर्गो, महिलाओं ने आराध्य देवी श्री आई माताजी के धर्म रथ वैल को तमाला, तिलक, आरती कर के वैल का बन्धावा किया फिर धर्म रथ वैल पर बाबा मण्डली के पूना बाबा, खेताराम, जेठाराम व राजेन्द्र का माला पहनाकर स्वागत किया। धर्म रथ वैल को महादेव मंदिर से श्री आई माताजी मन्दिर (वढ़ेर) तक ढोल नगाड़ों के साथ लेके गए। माताजी के बैल के दर्शन करने के लिए आस-पास के लोग बडी संख्या में पहुंचे। ग्रमीणों ने जगह-जगह माताजी बैल रथ के दर्शन किए। सीरवी समाज की आराध्य देवी श्री आई माताजी के मन्दिर (वढ़ेर) प्रागंण में धर्म रथ को रखा। इस मौके पर बैल के साथ आए जेठाराम सोलंकी ने आयोजित धर्म सभा में कहा कि मनुष्य को कभी विमुख नही होना चाहिए। इस दौरान कोटवाल रूपाराम, जिमेदार ढगलाराम, भजन गायक कलाकार नेमाराम, भाजपा नेता हरीश सीरवी, सोहन सीरवी, खरताराम सीरवी, सावलराम सीरवी इत्यादि मौजूद थे।

पीएम स्वनिधि समृद्धि योजना में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर नगरपालिका में अध्यक्ष, सीमएओ एवं सीएमएम का सम्मान

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

केन्द्र शासन की प्रधानमंत्री स्वनिधि समृद्धि योजनांतर्गत प्रदेश की 01 से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में सर्वोच्च एवं उत्कृष्ट कार्य करने पर नगर पालिका परिषद खरगोन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। 17 सितम्बर 2024 को भोपाल में आयोजित प्राईज अवार्ड समारोह में नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा यह पुरस्कार नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया अरूण जोशी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एमआर निगवाल एवं सीएमएम श्री उमेश जोशी को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। अवार्ड प्राप्त होने पर नगर पालिका परिषद परिवार द्वारा 19 सितंबर को नगर के समस्त पार्षदगणों को आंमंत्रित कर सम्मान समारोह का आयोजन कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती छाया अरूण जोशी, उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री एमआरनिगवाल, सीएमएम श्री उमेश जोशी, पार्षदगण धीरेन्द्रसिंह चौहान, श्री चंद्रपालसिंह तोमर, श्री वल्लभ महाजन, श्री संतोष वर्मा, श्रीमती संध्या दांगी, श्री महेश वर्मा, एजाज शेख, श्री असलम शेख, श्रीमती बेबी मण्डलोई, श्री भागीरथ ब?ोले, श्री हीरा परमार, श्री जगन्नाथ सांवले, श्री रियाजुद्दीन शेख, पार्षद प्रतिनिधि श्री दिनेश पाटीदार, श्री कान्हा राठौर, एवं समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राहुल गांधी को लेकर बयानबाजी पर बवाल, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, की आगजनी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

अमेरिका में राहुल के बयान के बाद सियासी बवाल

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि हाल में अपने अमेरिका दौरे के दौरान राहुल ने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिससे सियासी बवाल शुरू हो गया। पलटवार में भाजपा और एनडीए के नेताओं की ओर से भी बयान दिए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग को भेजी शिकायत की प्रति

कांग्रेस की शिकायत में केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के अलावा बीजेपी नेता तरविंदर सिंह मारवाह, शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ और उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह का भी नाम है। शिकायत की एक प्रति भारत निर्वाचन आयोग को भी भेजी गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ विवादित बयान के विरोध में कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन जारी है। कांग्रेस नेता दिल्ली BJP मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं इस मामले में कांग्रेस नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। इसमें मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का भी नाम शामिल है।

प्रदेश में बेरोजगारों का शिक्षक बनने का सपना सिस्टम ने तोड़ा, आयोग ने नहीं दी आयु सीमा में छूट

नई दिल्ली। उत्तराखंड में सिस्टम ने बेरोजगारों का शिक्षक बनने का सपना तोड़ दिया। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से सहायक अध्यापक एलटी के 1,544 पदों के लिए हुई भर्ती में शासन के आदेश के बाद भी आयोग ने कुछ अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट नहीं दी। हालांकि, शासन का यह आदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा से ठीक एक दिन पहले जारी हुआ। आयोग के सचिव सुरेंद्र रावत बताते हैं कि परीक्षा के लिए प्रवेशपत्र जारी होने के बाद इस तरह के आदेश पर अमल कर पाना संभव नहीं है। शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक एलटी के पदों पर भर्ती के लिए वर्ष 2020 में आवेदन मांगे गए थे।

भर्ती की अधिकतम आयु सीमा निकल गई

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से कला विषय के बीएड उपाधिधारकों के लिए यह आवेदन मांगे गए थे। बाद में इस भर्ती में कला विषय के नॉन बीएड अभ्यर्थियों को भी शामिल किया गया। शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के मुताबिक, आठ अगस्त 2021 को भर्ती के लिए परीक्षा हुई। परीक्षा के बाद अभ्यर्थी रिजल्ट का इंतजार करते रहे, लेकिन कुछ बीएड अभ्यर्थियों के कोर्ट जाने के बाद वर्ष 2023 में भर्ती रद्द कर दी गई। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से चार साल बाद 18 अगस्त 2024 को सहायक अध्यापकों के 1,544 पदों के लिए भर्ती परीक्षा कराई गई, लेकिन शासन के आदेश के बाद भी इस भर्ती में कुछ ऐसे अभ्यर्थी शामिल नहीं हो पाए। जिनकी भर्ती के इंतजार में इन चार वर्षों में भर्ती की अधिकतम आयु सीमा निकल गई।

श्राद्ध का खाना बना रहे मंडी के रसोइये की प्रेशर कुकर फटने से मौत

हमीरपुर जिले। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के भोरंज उपमंडल की कक्कड़ पंचायत में द्वितीय श्राद्ध का खाना बनाने के लिए आए मंडी जिले के रसोइये की प्रेशर कुकर फटने से दर्दनाक मौत हो गई। इससे क्षेत्र में शोक की लहर है। कक्कड़ पंचायत के प्रधान विनोद कुमार ने बताया कि ज्ञान चंद पुत्र काशी राम, गांव परनोह तहसील सरकाघाट से बुधवार सुबह भड्यू गांव में दीनानाथ के घर पर श्राद्ध का खाना बनाने के लिए आया था। करीब 9:00 बजे दाल को गैस पर पकाने के लिए कुकर में रखा। थोड़ी देर बाद जैसे ही दाल को पके हुए देखकर कुकर को उठाने लगा तो अचानक कूकर का ढक्कन फटकर रसोइये के मुंह व छाती पर लगा। इसके बाद व्यक्ति को सिविल अस्पताल भोरंज ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की दो बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। एक बेटा अविवाहित है। मृतक के भाई शेर सिंह ने बताया कि वह कई सालों से रसोइए का कार्य करते थे। मृतक गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है। भोरंज थाना प्रभारी निर्मल सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस ने शव का जिला हमीरपुर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

गणपति विसर्जन के दौरान व्यास नदी में दो लोगों की डूबने मौत

हमीरपुर। जिला हमीरपुर की ग्राम पंचायत नाल्टी में गणेश उत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया, लेकिन मंगलवार को गणपति मूर्ति की विसर्जन के बाद दो लोगों की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मूर्ति विसर्जन के बाद आए हुए लगभग 40 लोग स्नान करने लगे। इसी दौरान 25 वर्षीय विनय कुमार पुत्र देशराज गांव पटयाहू का नहाते समय पानी में डूब गया। वहां पर साथ आई महिलाओं ने चिल्लाना शुरू किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उस लडके को जब पंचायत चोहू के चोआ चुकराला निवासी सोनी कुमार ने निकालने की कोशिश की तो गणेश जी मूर्ति के साथ लगी लोहे की तार से वह भी फंस गया और डूबने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे नदी से बाहर निकाला और उसे नादौन अस्पताल नादौन में उपचार के लिए ले गए। अस्पताल में पहुंचने के बाद दूसरे लड़के ने जिसकी आयु लगभग 36 वर्ष थी उसने भी दम तोड़ दिया।

योगी ने अखिलेश और राहुल पर कसा तंज, बोले-

'दो लड़कों की जोड़ी गुमराह करने के लिए आई'

एजेंसी

गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को रोजगार मेले में शामिल होने के लिए गाजियाबाद पहुंचे हैं। सीएम योगी ने यहां पर जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी गुमराह करने के लिए आई है। इन्होंने किसी का हित नहीं किया, सिर्फ लूटा है। इन लोगों को जब भी जनता ने शक्ति दी है, तब इन्होंने इसका दुरुपयोग किया।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी, भस्मासुर जैसी है। सपा के समय में अराजकता थी, गुंडा टैक्स था। पहले की सरकारों ने उत्तर प्रदेश को खूब लूटा है। 2017 से पहले का गाजियाबाद और आज का गाजियाबाद बहुत अलग है। समाजवादी पार्टी के अंदर औरंगजेब की आत्मा आ चुकी है। इसीलिए लूट करना उनकी नियति बन गई है। सीएम योगी ने आगे कहा कि पहले जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी तब चारो तरफ गंदगी,

अराजकता और गुंडागर्दी थी। बता दें कि रोजगार मेले में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को रोजगार संबंधी नियुक्ति पत्र बांटेंगे और कुछ छात्रों को टैबलेट और मोबाइल फोन दिए जाएंगे। इसके साथ-साथ इस रोजगार मेले में ऋण मेला भी लगाया गया है। मेले में पहुंचने वाले बेरोजगार युवा अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर अपनी डिग्री और योग्यता के हिसाब से संबंधित कंपनियों में नौकरी पा सकते हैं और इस मेले में 100 से ज्यादा कंपनियां भी पहुंची हुई हैं जो इन प्रतिभाशाली युवाओं को उनकी योग्यता के हिसाब से नौकरी देंगी और इन्हें सैलरी दी जाएगी।

मोदी की रैली से पहले श्रीनगर में बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा चुनाव अभियान को तेज करने के लिए यहां शेर-ए-कश्मीर पार्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से एक दिन पहले बुधवार को श्रीनगर में सुरक्षा बढ़ाई दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर और उसके आसपास के इलाकों में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है और सभी संवेदनशील इलाकों में गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले घाटी में भाजपा के उम्मीदवारों के समर्थन में श्री मोदी की यह पहली रैली होगी।

प्रधानमंत्री कश्मीर घाटी में पार्टी के चुनावी अभियान को तेज करने के लिए एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। भाजपा कश्मीर घाटी की 47 विधानसभा सीटों में से 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। विधानसभा चुनाव से पहले कश्मीर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में श्रीनगर में

श्री मोदी की यह पहली सार्वजनिक रैली होगी और इस साल उनका घाटी का यह तीसरा दौरा होगा। प्रधानमंत्री ने इससे पहले सात मार्च को कश्मीर का दौरा किया था और बख्शी स्टेडियम में एक रैली को संबोधित किया था और 21 जून को शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में शामिल हुये थे। श्री मोदी के कल कश्मीर दौरे को लेकर सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों पर जांच चौकियां स्थापित की हैं। सुरक्षा बल अन्य जिलों से श्रीनगर में प्रवेश करने वाले वाहनों की गहनता से जांच करते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा बलों को प्रधानमंत्री की रैली स्थल की ओर जाने वाली सड़कों पर भी बड़ी संख्या में तैनात किया गया है।

पुलिस ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, इस बीच, ड्रोन नियम, 2021 के नियम 24(2) के प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री की रैली के तहत सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए श्रीनगर शहर को तत्काल प्रभाव से ड्रोन और क्वाडकॉप्टर के संचालन के लिए अस्थायी रेड जोन- घोषित किया गया है।

नीमच के ग्राम चीताखेड़ा में दिनदहाड़े बैंक डकैती, मप्र ग्रामीण बैंक में ताबड़तोड़ चली गोलियां

एजेंसी

नीमच। जिले के ग्राम चीताखेड़ा में बुधवार सुबह एक चौंकाने वाली डकैती की घटना सामने आई है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत और हड़कंप मचा दिया। जानकारी के अनुसार, मप्र ग्रामीण बैंक में दिन के समय दो बदमाशों ने घुसकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं और बैंक में लूट की घटना को अंजाम दिया। सूत्रों के मुताबिक दोनों बदमाशों ने अपने चेहरे ढक रखे थे और मोटरसाइकिल से बैंक तक पहुंचे। बैंक में घुसते ही उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी और कैश लूटकर फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो महिलाओं और एक चपरासी को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को एंबुलेंस के जरिए नीमच

अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पूरे इलाके में छानबीन और जांच की जा रही है, ताकि बदमाशों को पकड़ा जा सके और घटना की पूरी तहकीकात की जा सके। इस भयावह घटना ने स्थानीय लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से चिंता में डाल दिया है।

पूर्वी एशिया में तैनात जहाज सुजय पहुंचा इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्वी एशिया में तैनाती के दौरान भारतीय तटरक्षक बल के अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी) आईसीजीएस सुजय बुधवार को इंटीग्रल हेलीकॉप्टर के साथ इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर पहुंच गया। तीन दिवसीय यात्रा के दौरान जहाज का चालक दल इंडोनेशियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करने के इरादे से पेशेवर बातचीत करेगा। इस दौरान समुद्री खोज एवं बचाव और समुद्री कानून प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

आईसीजीएस सुजय ने पिछले माह इंडोनेशिया के जकार्ता में बंदरगाह की यात्रा की थी। सुजय की यह यात्रा कूटनीतिक समुद्री जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस यात्रा का उद्देश्य न केवल भारतीय तटरक्षक और उनके इंडोनेशियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करना है, बल्कि भारत की जहाज निर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित करना भी है। यात्रा के दौरान भारतीय जहाज की गतिविधियों में इंडोनेशियाई तटरक्षक के साथ पेशेवर बातचीत, क्रॉस डेक प्रशिक्षण,

संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन और पैसेज सी एक्सरसाइज (पासेक्स) शामिल हैं। जहाज पर सवार 10 राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट स्थानीय युवा संगठनों के सहयोग से समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण वॉकथॉन में भाग लेंगे। आईसीजी ने 06 जुलाई, 2020 को सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) से अनुमोदित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य समुद्री सहयोग बढ़ाने के साथ अपने सहकारी जुड़ाव को संस्थागत बनाना है। पूर्वी एशिया में आईसीजीएस सुजय की तैनाती भारत की भारत-प्रशांत देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईसीजीएस सुजय की यह यात्रा समकालीन समुद्री चुनौतियों का समाधान करते हुए क्षेत्र में समुद्रों की सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख समुद्री एजेंसियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्व रखती है। इस यात्रा से पहले आईसीजीएस सुजय ने जकार्ता, इंडोनेशिया और इंचियोन, दक्षिण कोरिया के बंदरगाहों का दौरा किया था, जो इस क्षेत्र में राजनयिक समुद्री जुड़ाव की निर्बाध निरंतरता को दर्शाता है। पूर्वी एशिया में आईसीजीएस सुजय की तैनाती भारत की इंडो-पैसिफिक देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आईआईटी-मद्रास शोधकर्ताओं ने एआई संचालित पोर्टेबल स्कैनर विकसित किया

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आईआईटी-मद्रास) शोधकर्ताओं ने खेल के मैदान में चोटिल होने वाले खिलाड़ियों के तत्काल और बेहतर उपचार के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संचालित स्वदेशी पोर्टेबल पॉइंट-ऑफ-केयर-अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) स्कैनर विकसित किया है।आईआईटी-मद्रास की ओर से बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्हें पहले से ही इस उपकरण में शामिल प्रौद्योगिकियों के लिए कई पेटेंट दिए गए हैं और वे उत्पादीकरण की दिशा में काम कर रहे हैं। आईआईटी-मद्रास में सेंटर

ऑफ एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स साइंस एंड एनालिटिक्स (सीईएसएस) का यह शोध संभावित रूप से चोटों के ऑन-फील्ड निदान, चोट की सीमा का तत्काल आकलन करने में सहायक हो सकता है जो चिकित्सा पेशेवरों को यह निर्णय लेने की अनुमति देगा कि क्या करना है, खिलाड़ी खेल जारी रह सकता है या कब तक खेल के मैदान से दूर रहना होगा। इस उपकरण को विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले आईआईटी-मद्रास के एप्लाइड मैकेनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अरुण के. थिट्टाई ने कहा, "हमने मौजूदा तकनीकी अंतर और नियमित प्रशिक्षण परिसर के भीतर विशिष्ट एथलीटों के चोट लगने पर उनके चोट का निदान और फिर से खेलने के लिए प्वाइंट-ऑफ-केयर उपकरण की जरुरत को समझा। इस उपकरण से मैदान पर मस्कुलोस्केलेटल के त्वरित आकलन से खिलाड़ियों को तत्काल ध्यान देने और रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

मोदी सरकार के पहले 100 दिन फिर जुमले भरे ही साबित हुए: खड़गे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि उसके पहले 100 दिन फिर जुमले भरे ही साबित हुए हैं। श्री खड़गे ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि मोदी सरकार फिर जुमले पर सवार होकर काम कर रही है और वह चुनाव में किये अपने किसी वादे पर अब तक खरी नहीं उतरी है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के 100 दिन, देश के लिए रहे बेहद कठिन। न एजेंडा दिखा, न कोई दावा टिका, वही जुमले, वही पीआर स्टंटकांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, इस ठगबंधन से ऊब चुका है देश, जनता में सहनशीलता नहीं रही अब शेष।

पटियाला पुलिस को मिली बड़ी सफलता: मोटरसाइकिल चोर गिरोह के सदस्य गिरफ्तार

पटियाला। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पटियाला के डीएसपी सिटी, बन वैदव चौधरी ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि थाना सिविल लाइन और मॉडल टाउन चौकी इंचार्ज की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल और एक्टिवा बरामद की गई है। दोनों संदिग्धों से गहन पूछताछ जारी है, और पुलिस उनकी गतिविधियों के बारे में और जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। इन दोनों को जल्द ही अदालत में पेश कर रिमांड प्राप्त किया जाएगा, जिससे यह मामला और भी स्पष्ट हो सके। इस गिरफ्तारी को लेकर स्थानीय पुलिस और जनता में खुशी की लहर है।

बलरामपुर जिले के सीएएफ कैंप में जवान ने की साथियों पर फायरिंग, दो जवानों की मौत

एजेंसी

बलरामपुर /रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सामरी थाना क्षेत्र के भुताही मोड़ पर स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के कैंप में बुधवार सुबह एक जवान ने अपनी इंसास रायफल से अपने साथियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में दो जवानों की मौत हो गई और दो जवान गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल घटनास्थल पर पहुंचे। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में झारखंड की सीमा से लगे क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों को देखते हुए भुताही गांव में सीएएफ का शिविर लगा है। भुताही शिविर में सीएएफ की 11वीं बटालियन तैनात हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार को करीब 11.30 बजे सीएएफ के जवान अजय सिदार ने अपने साथियों पर इंसास सर्विस रायफल से अंधाधुंध गोलियां चला दीं। गोलियां चलने की आवाज सुनकर भागकर

मौके पर पहुंचे जवानों ने अजय सिदार को पकड़कर काबू में किया। गोली लगने से जवान रुपेश पटेल की मौके पर मौत हो गई है। वहीं संदीप पांडेय और गार्ड कमांडर अंबुज शुक्ला घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए कुसमी लाया जा रहा था। रास्ते में संदीप पांडेय ने भी दम तोड़ दिया। घायल गार्ड कमांडर अंबुज शुक्ला के दोनों पैरों में गोली लगी है। घटना में गंभीर रूप से घायल अंबुज शुक्ला को कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। बलरामपुर जिले के एडिशनल एसपी शैलेन्द्र पांडेय ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सामरी थाना क्षेत्र में सीएएफ की कंपनी है। वहां सीएएफ का एक जवान ने इंसास रायफल से फायरिंग की है। जिसमें एक जवान की मौके पर मौत हो गई ,जबकि घटना को देखकर शॉक लगने के चलते एक और जवान की मौत हो गई। दो जवान घायल हुए हैं। बटालियन के सिपाही राहुल बघेल को भी गोली छूते हुए निकली है, उन्हें हल्की चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैंप में फायरिंग करने वाले जवान को बलरामपुर पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है।आरोपित जवान के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। जवान ने कैंप में अपने साथी जवानों पर फायरिंग क्यों की, इसकी जांच की जा रही है।

राहुल गांधी पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी, सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था पर भी घेरा

एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं की अभद्र टिप्पणियों को लेकर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार को घेरा। इस मौके पर अजय राय ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सहित भाजपा के कई नेताओं ने राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकवादी नंबर वन बताया था। जिसके बाद से कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता नाराज हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

नकांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व

विधायक तरविंद्र सिंह को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी नेता लोकतंत्र की मर्यादा भूल गए हैं। सांसद राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक तरविंद्र सिंह ने अभद्र टिप्पणी की जो गलत है। वह देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता और जनप्रतिनिधि हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं और विपक्षी नेताओं के खिलाफ गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खालिस्तानी पन्नू के साथ कांग्रेस खड़ी है : रवनीत सिंह बिट्टू

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए विवादित बयान के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली से लेकर जयपुर, हैदराबाद समेत कई राज्य में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस के प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की प्रतिक्रिया सामने आई है।

उन्होंने इस बार कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी का सिखों को लेकर दिए बयान का समर्थन किया। लेकिन, इतने दिन बीत जाने के बाद भी कांग्रेस के किसी भी नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पन्नू के बयान का खंडन नहीं किया। इससे साफ है कि कांग्रेस अध्यक्ष पन्नू के बयान का समर्थन कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर कहा, "मैं कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता से कहना चाहता हूं कि आप खुशी से कितना भी मेरा विरोध करो। अगर आपकी कोई बात बनती है, गांधी फैमिली खुश होती है तो मैं भी खुश हूं। लेकिन, मैंने जो बात कही है, आपका मौन देखकर कही थी, क्योंकि जब राहुल गांधी ने कोई बात कही सिखों के विरोध में तो उसे देश का सबसे बड़ा दुश्मन गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सपोर्ट किया, जो खालिस्तान के लिए

रेफरेंडम करवा रहा है, उस आदमी ने राहुल गांधी के हक में बयान दिया। मेरी तकलीफ मेरी पीड़ा यह है कि आप मीडिया पर एक चीज को लेकर घुमाकर बता रहे हैं, लेकिन असली बात खड़गे साहब राहुल गांधी ने अमेरिका में सिखों को लेकर कही थी, वो देश में पगड़ी नहीं बांध सकते, कड़ा नहीं डाल सकते, गुरुद्वारा नहीं जा सकते। उनके इस बयान का आतंकी पन्नू ने समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, मैं दो दिन तक इंतजार करता रहा कि कांग्रेस की तरफ से कोई नेता या पार्टी के अध्यक्ष इस बात का खंडन करेंगे। इस बात पर स्पष्टीकरण देंगे कि कांग्रेस आतंकी पन्नू के साथ नहीं है। जब आपने यह बात नहीं कहीं तो फिर मैंने यह बात कही कि खड़गे साहब स्पष्ट बताएं ,आपकी पार्टी और हर लीडर जो आप बात कर रहे हैं, इसका मतलब आप लोग पन्नू के साथ खड़े हैं, यह बात स्पष्ट हो गई है। अच्छा होता आप मेरे खिलाफ चिट्ठी लिखने की बजाय पन्नू ने जो राहुल गांधी का सपोर्ट किया है, उसके बारे में आप खंडन करते और उस पर बात करते। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, मैं मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछता हूं कि आतंकवादी किसे कहा जाता है? वह व्यक्ति है जो आतंकवाद को बढ़ावा देता है। मेरे टेररिस्ट कहने का मतलब है कि जब पन्नू और राहुल गांधी बिना किसी कारण के एक-दूसरे का समर्थन करते हैं, तो हमें इसे क्या कहना चाहिए? राहुल, पन्नू के और पन्नू, राहुल के बयानों का समर्थन कर रहे हैं। इसलिए खड़गे और कांग्रेस पार्टी को इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

किसानों की समस्याओं के निदान के लिए कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा में उमड़ी भीड

100 से अधिक ट्रेक्टर और अन्य चार पहिया वाहनों का काफिला पहुंचा कलेक्ट्रेट ,ज्ञापन सौंपा बड़ी संख्या में तैनात था पुलिस बल

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । किसानों के साथ छलावा करने वाली भाजपा सरकार के खिलाफ आज शहर और ग्रामीण कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा फूल बाग से कलेक्ट्रेट तक निकली गई । यात्रा में एक सैकड़ा ट्रेक्टर और सैकड़ों अन्य चार पहिया वाहन शामिल थे। विधायक डा.सतीश सिकरवार ने रैली का नेतृत्व किया। फूलबाग चौराहे पर सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे जो रैली में शामिल हुए। बतादें कि रैली का रूट पहले तय था ,मगर जिला प्रशासन ने महाराज बाड़ा क्षेत्र में यात्रा ले जाने की अनुमति नहीं दी , इसके बाद किसान न्याय यात्रा फूलबाग से विभिन्न मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची जहां राज्यपाल और मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। न्याय यात्रा की शुरुआत राज्यसभा सांसद अशोक सिंह और विधायक डा .सतीश सिकरवार ने की । कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, राजेंद्र नाती, अशोक प्रेमी, प्रभुदयाल जोहरे अध्यक्ष ग्रामीण कांग्रेस, महाराज सिंह पटेल , जे एच जाफरी , धर्मेंद्र शर्मा , राम पांडे, अवधेश कोरव,विनोदी जैन , अंकित कड्डल, सुरेंद्र साहू, चतुर्भुज धनोलिया समेत सेकोंडो कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि

किसानों से लूट-मोदी जी का दोगुनी आमदनी का झूठ-फरवरी 2016 में देश के प्रधानमंत्री ने उत्तरप्रदेश की बरेली की रैली में कहा कि किसान भाईयों वर्ष 2022 तक मैं आपकी आमदनी दोगुना कर दूंगा। मगर मोदी सरकार के ही नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि देश के किसानों की औसत आमदनी 27 रूपये प्रतिदिन रह गई है और औसत कर्ज प्रति किसान 74 हजार रूपये हो गया है। यह इसलिए हुआ कि बीते दस वर्षों में खेती की लागत 25 हजार रूपये हेक्टेयर ब?ा दी गई। टेक्टर व खेती के उपकरणों पर 12 प्रतिशत जीएसटी, खाद पर 5 प्रतिशत, कीटनाशक दवाईयों पर 18 प्रतिशत, डीजल की कीमत 35 रूपये प्रति लीटर बढ़ गई।

झूठ में दिया साथ-शिवराज ने भी किया किसानों से आघात-अप्रैल 2023 में मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जी ने प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में रीवा के पंचायती राज सम्मेलन में यह घोषणा की थी कि मध्यप्रदेश में किसानों की आमदनी दोगुना कर दी गई है। जबकि मार्च 2022 में केंद्रीय संसदीय समिति ने यह रिपोर्ट लोकसभा में दी कि मध्यप्रदेश एक ऐसा प्रांत हैं, जिसमें किसानों की आमदनी 2015-16 की तुलना में 9740 रूपये से घटकर 8339 रूपये प्रतिमाह प्रति परिवार रह गई है।

झूठ बोलते हैं तो आवाज भारी रखते हैं-अगले झूठ की तैयारी रखते हैं-मोदी सरकार की फैक्ट्री में बनने वाले झूठ के सबसे बड़े डीलर शिवराज सिंह चौहान जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी है।

मध्यप्रदेश का चुनाव जीतने के लिए प्रदेश के किसानों से अपने घोषणा-पत्र में झूठ बोला कि चुनाव जीतने पर गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रूपये प्रति क्विंटल और धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विंटल किया जायेगा। चुनाव जीतते ही किसानों को धोखा दे दिया।

लागत से भी कम मिल रहे हैं सोयाबीन के दाम-आज मध्यप्रदेश में सोयाबीन का भाव लगभग 4000 रूपये प्रति क्विंटल पहुंच गया है। जबकि उसका समर्थन मूल्य 4892 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो कि पहले ही अपर्याप्त है। मोदी सरकार ने सोयाबीन का समर्थन मूल्य तय करते वक्त इसका लागत मूल्य 3261 रूपये निर्धारित किया है। जबकि मध्यप्रदेश ने लागत और मूल्य आयोग को पहले ही सूचित किया था कि मध्यप्रदेश में सोयाबीन की उत्पादन लागत 4455 रूपये प्रति क्विंटल आती है, वहीं महाराष्ट्र में यह लागत 6039 रूपये प्रति क्विंटल बतायी थी।

लागत और मूल्य आयोग ने खुद अपनी 2024-25 की खरीफ की रिपोर्ट में बताया है कि भारत में औसत सोयाबीन का कास्ट ऑफ प्रोडक्शन (ए 2 .एफएल) 4853 रूपये वर्ष 2022-23 के लिए मूल्यांकित किया गया था। समर्थन मूल्य तय करने वाला आयोग खुद कहता है कि लागत निकालने के लिए जो सैम्पल साईज लिया जाता है, वह अपर्याप्त है, इसलिए लागत मूल्य सहीं नहीं निकलता।

आयोग ने माना मप्र के लिए समर्थन मूल्य सही नहीं-लागत और मूल्य आयोग ने हाल ही में जारी की गई अपनी रिपोर्ट में एक चार्ट के माध्यम से बताया है कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में सोयाबीन के लिए लागत आयोग द्वारा कम आंकी जाती है, जबकि राज्य में वह अधिक आती है।

भारत में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सोयाबीन उत्पादन के लिए दो सबसे बड़े प्रांत हैं, उसके बाद राजस्थान और फिर कर्नाटक आता है।

सोयाबीन किसानों से धोखा-समर्थन मूल्य का नहीं मिलेगा मौका-मध्यप्रदेश के साथ मोदी सरकार और प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा मध्यप्रदेश से आने वाले देश के कृषि मंत्री ने बीते 5 सितम्बर को मध्यप्रदेश के साथ बहुत ब?ा धोखा किया है। कृषि मंत्रालय ने ट्वीट करके यह जानकारी दी है कि प्राईज सपोर्ट स्कीम के माध्यम से सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जायेगी। मगर सिर्फ कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में मध्यप्रदेश को इस योजना से बाहर रखा गया है। प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार करते हुये उसके साथ कुठाराघात किया गया।

तेल का खेल-धन्नासेठों से मेल-प्रधानमंत्री ने वर्ष 2015 में लाल किले की प्राचीर से भाषण दिया था कि किसान भाईयों खाने का तेल विदेशों से मंगाना पड़ता है और आप लोग आईल सीड्स का उत्पादन अच्छा कीजिए, ताकि विदेशों से खाने का तेल न मंगाना पड़े। जबकि सच्चाई यह है कि नियोजित रूप से सोयाबीन के खाने के तेल की इंपोर्ट ड्यूटी 17.5 प्रतिशत से घटाकर 13.75 प्रतिशत की गई और सोयाबीन क्रूड आईल पर कोई बेसिक कस्टम ड्यूटी नहीं लगती सिर्फ एग्युकेशन और इन्फ्रासेस से 5.5 प्रतिशत टैक्स लगाया जाता है। जिसका परिणाम यह हुआ कि सोयाबीन का तेल 2013-14 में 13.5 लाख टन विदेशों से मंगाया जाता था जो 2022-23 तक ब?कर 38.5 लाख टन हो गया है। भारत जहां इस तेल को मंगाने के लिए वर्ष 2013-14 में 8 हजार करोड़ रूपये खर्च करता था, वहां आज उसे 2022-23 में 47 हजार करोड़ रूपये करने पड़ रहे हैं। यह खेल कुछ मोटे तेल के व्यापारियों के लिए खेला जा रहा है, जिससे सोयाबीन सहित सभी तिलहन पैदा करने वाले किसानों को लागत मूल्य भी नहीं मिलता। ज्ञापन में कहा गया कि सरकार किसानों के साथ छलावा बंद करे और कांग्रेस द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा करे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा सांसद संध्या राय

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

आज गोहद विधानसभा के मौ नगर के वार्ड क्रमांक 13 शंकरपुर में भिंड दतिया सांसद श्रीमती संध्या राय बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया जिसमें लोगों को आश्वासन दिया कि आपका जितना नुकसान हुआ है उस नुकसान की भरपाई की जाएगी भाजपा सरकार आपके साथ सदा खड़ी है किसी भी प्रकार की चिंता ना करें में आप लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए आप सबके बीच में आई हूं इस बीच उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता महेश सिंह गुर्जर, महेश श्रीवास्तव, जिला मंत्री शैलेंद्र सिंह गुर्जर, अशोक सिंह तोमर, गुड्डू तोमर, पूर्व मंडी अध्यक्ष अमृतलाल ,जिला पंचायत सदस्य पुरुषोत्तम जाटव ,मनोज थापक, जनपद सदस्य भंवर सिंह गुर्जर , केशव मोदी ,मंडल अध्यक्ष रवि शर्मा, अरविंद सिंह राणा, शिशुपाल सिंह सरपंच, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरनारायण कुशवाह मौ नगर परिषद के अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव, महामंत्री राजू मिश्रा ,सुल्तान मोर्य,पप्पन यादव , एवं सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता साथ में उपस्थित रहे

ऊर्जा मंत्री ने लगातार दूसरे दिन राहत शिविर में बिताई रात - जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया भ्रमण

ग्वालियर । उप नगर ग्वालियर में अति वर्षा से हुए जलभराव से प्रभावित बस्तियों के लोगों के लिए स्थापित शिविर में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने लगातार दूसरी रात बिताई। उन्होंने गुरुवार की रात पीएचई कॉलोनी स्थित राहत शिविर के शिविरार्थियों के बीच गुजारने के बाद शुक्रवार की सुबह उप नगर ग्वालियर के जलभराव से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर राहत और सुधार कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। ऊर्जा मंत्री ने शुक्रवार की सुबह सबसे पहले वार्ड क्रमांक 7 के रामनगर, प्रसाद नगर, शर्मा फार्म हाउस रोड व पीएचई कॉलोनी पहुँचकर लोगों की कठिनाईयाँ व समस्याएं जानीं। उन्होंने इन बस्तियों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण करने के निर्देश साथ में मौजूद नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री तोमर ने इसी क?ी में मोती झील स्थित यादव कॉलोनी, शिव शक्ति नगर तथा नहर वाली पट्टी पहुँचकर जल भराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को मोती झील नाले की तेजी से सफाई कराने के निर्देश लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को दिए। श्री तोमर ने नगर निगम, विद्युत और जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में स?क व सीवर और विद्युत व्यवस्था की समीक्षा की और सभी संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उप नगर ग्वालियर के किशन बाग क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान नगर निगम एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से जुड़े विकास कार्यों में कोई अवरोध न हो। क्षेत्र की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र शंकरपुर में भी अति वर्षा के कारण उत्पन्न हुई जलभराव की समस्या का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने नगर निगम, विद्युत विभाग, और जिला प्रशासन के अधिकारियों से कहा कि आमजन को त्वरित समाधान मिले इसके लिए आवश्यक कदम उठाएं। इससे पहले ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने घोसीपुरा रेलवे स्टेशन पहुँचकर सीवर और विद्युत व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घोसपुरा स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था हो इसके लिए ऊर्जा मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को स्टेशन पर सुरक्षा प्रबंध पुख्ता करने तथा स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने के साथ ही साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

निगम आयुक्त पहुंचे नवीन क्रिकेट स्टेडियम, जलभराव की समस्या का कराया निराकरण

ग्वालियर। शुक्रवार को निगम आयुक्त अमन वैष्णव एक बार फिर निरीक्षण पर निकले। आगामी 6 अक्टूबर को प्रस्तावित भारत बांग्लादेश 20-20 मैच को देखते हुये निगमायुक्त शंकरपुर स्थित नवीन क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे और व्यवस्थाओं को लेकर जीडीसीए के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक उपरांत उन्होंने क्रिकेट स्टेडियम परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण भी किया। नवीन क्रिकेट स्टेडियम में निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त को जलभराव की स्थिति मिली। जिस पर निगमायुक्त ने तत्काल जेसीबी की मदद से जलनिकासी की व्यवस्था की। इसके साथ ही निगम आयुक्त श्री वैष्णव ने स्टेडियम के आसपास आवारा कुत्ते एवं मवेशियों को पक?ने के निर्देश मदाखलत विभाग को दिए। साथ ही पूरे क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट को ठीक करने एवं क्रिकेट मैच देखने के लिए आने वाले क्रिकेट प्रेमियों को परेशानी ना हो इसके लिए बारिश के कारण खराब हुई स?कों पर पेंच वर्क करने के लिये भी कहा।

मौ क्षेत्र में जेई पर एफआईआर दर्ज करने की मांग, एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

गोहद क्षेत्र की मौ तहसील में पदस्थ जे ई से जनता त्रस्त

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

भिंड। मौ बिजली कंपनी के जेई के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर भारत की जनवादी नौजवान सभा के राज्य महासचिव भूपेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा मंगलवार को गोहद एसडीओपी सौरभ कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें उन्होंने बताया कि मौ तहसील में पदस्थ जेई लोकेन्द्र जाट का ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमे वह अपने रसूख ग्वालियर तक होने की बात कह रहे है। इस ऑडियो में वह अपनी अधीनस्थ कर्मचारी पर ट्रान्सफार्मर में लगने वाली सीटी को खराबकरने का दबाव बनाते सुने जा रहे हैं। जिसकी कीमत अनुमानित - 20-22 हजार रुपए होती है। जिसको वह अपने रसूक के चलते स्वंय के पद का दुरूपयोग कर क्षति पहुंचाने के निर्देश अधीनस्थो को दे रहे हैं। जबकि यह करना अपराध की श्रेणी में आता है। ज्ञापन में कहा गया कि ऑडियो वायरल होने के बाद भी प्रशासक मूक दर्शक बना हुआ है। वरिष्ठ अधिकारियों ने इतना गंभीर मामला सामने आने के बाद भी न तो संबंधित अधिकारी पर एफआईआर कराई और न ही उसे हटाया। ज्ञापन के माध्यम से जेई पर कार्रवाई की मांग की गई है।और कहा यदि एफआईआर दर्ज नहीं. हुई तो हमारा संगठन आन्दोलन करेगा जिस की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी

जीएमसी, भोपाल में एनाटॉमी विभाग की स्नातकोत्तर सीटों में वृद्धि पर दी बधाई

रीवा।राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी), नई दिल्ली द्वारा गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल के एनाटॉमी विभाग में 09 अतिरिक्त स्नातकोत्तर (पी.जी.) सीटों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस वृद्धि के साथ पी.जी. सीटों की संख्या 2 से बढ़कर 11 हो गई है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने डीन जीएमसी डॉ कविता सिंह एवं गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय की पूरी टीम को बधाई प्रेषित की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि से राज्य के स्वास्थ्य तंत्र को और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।डीन जीएमसी डॉ कविता सिंह ने बताया कि सीट वृद्धि से गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को अधिक अवसर मिलेंगे और उनके शिक्षण व प्रशिक्षण में भी गुणात्मक सुधार होगा। इसके अलावा, प्रदेश के अन्य नए चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए संकाय सदस्यों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे पूरे राज्य के चिकित्सा संस्थानों को लाभ प्राप्त होगा।

नपा ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत किया मानव श्रृंखला का निर्माण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीएमआर निंगवाल के निर्देशानुसार एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित डामोर के मार्गदर्शन में स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता के अंतर्गत देवी अहिल्या उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 01 स्कूल ग्राउंड में छात्र-छात्राओं के सहयोग से स्वच्छता ही सेवा मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया। इस दौरान सभी ने स्वच्छता बनाएं रखने की शपथ भी ली। अभियान में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, जिला सहायक परियोजना अधिकारी श्री उमेश जोशी, स्वच्छता सभापति श्रीमति कविता अरविंद पाटीदार, प्राचार्य श्री राजेन्द्र पाटीदार, एनसीसी ऑफिसर श्री मुरली खोड़े, दरोगा राजा खान एवं आईईसी टीम सदस्य उपस्थित रहे।

मोहल्ला वासियों ने दिया आम रास्ते के लिए तहसीलदार को आवेदन

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

मौ नगर में सरकारी बाग हनुमान मंदिर के लिए वार्ड क्रमांक 13 से सरकारी रास्ता गया हुआ है उस पर कई दबंग लोगों ने कब्जा कर लिया है इस जगह का सही से सीमांकन कर रास्ते को खुलवाया जाए इस संबंध में तहसीलदार माला शर्मा को ज्ञापन के माध्यम से मोहल्ला वासियों ने आवेदन दिया ज्ञापन देने वालों में वकील यादव, सुनील यादव, छोटू ,जडेल यादव, बंटी यादव, रमेश समस्त मोहल्ला वाशी उपस्थित रहे

सूचना का अधिकार अधिनियम पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

ग्वालियर । जिला स्तरीय लोक सूचना अधिकारियों और अपीलीय अधिकारियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुए इस प्रशिक्षण में सूचना का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन से संबंधित प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही अधिकारियों के बीच अधिनियम के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक संवाद हुआ। सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में भी प्रशिक्षण के दौरान बताया गया।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने प्रशिक्षण के समापन अवसर पर अधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 25 विभागों के लोक सूचना अधिकारियों ने भाग लिया। जिनमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, शिक्षा, श्रम, मत्स्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी व कृषि इत्यादि विभागों के लोक सूचना व अपीलीय अधिकारी शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478